शुक्रवार 19 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष - 4

डाक संस्करण
शनिवार 20 जून 2026

Email- dainiklokmaya@gmail.com

RNI No.-CHHHIN/2010/35328

डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 157 | रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित | E paper-lokmaya.news | पृष्ठ- 12 | मूल्य- ₹ 2

अमेरिका-ईरान वार्ता के 60-दिवसीय चरण की शुरुआत ट्रंप ने सभी मोर्चों पर युद्धविराम का आह्वान किया

एजेंसी।

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका को सभी मोर्चों पर पूरी तरह से युद्धविराम की उम्मीद है। उन्होंने पश्चिम एशिया में सभी पक्षों से अपनी-अपनी प्रतिबद्धताओं वादों को पूरा करने की अपील की है।

ट्रंप ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'ट्रुथ' पर एक पोस्ट में लिखा,हम सभी मोर्चों पर पूर्ण युद्धविराम की अपेक्षा करते हैं, जिसमें लेबनान, हिज़्बुल्लाह और इज़राइल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका शांति के लिए प्रतिबद्ध है और हम पश्चिम एशिया में सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखें ताकि हमारी बातचीत सही ढंग से आगे बढ़ सके। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को फ्रांस में ईरान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये, जिसके तहत गुरुवार से 60 दिनों की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हुई। इसका मकसद एक अंतिम समझौते पर पहुंचना है। इस एमओयू में लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से रोकने की बात कही गयी है।हालाँकि, इजरायल ने कहा है कि उसका लेबनान से अपनी सेना हटाने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी खत्म की : सेंट्रल कमान

पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए समझौता होने के बाद अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी खत्म कर दी है। अमेरिका के सेंट्रल कमान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति के निर्देश के अनुसार अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों में आने-जाने वाले सभी समुद्री जहाजों पर लगी नाकेबंदी हटा ली है। अमेरिकी सेना ईरानी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले जहाजों को नहीं रोक रही है। अमेरिकी सेना की नाकेबंदी लागू करने की सभी कोशिशें बंद कर दी गई हैं। हमारे बेहतरीन नौसैनिक जहाज उस इलाके में मौजूद रहेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समझौते की सभी बातों का पालन हो रहा है और वे पूरी तरह से लागू हैं। वहीं, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि अलग राय होने के बावजूद उन्होंने अमेरिका के साथ समझौते को मंजूरी दी।

ईरान की सर्वोच्च सुरक्षा परिषद ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के अनुरोध पर तेजी से कार्रवाई करने का दिया निर्देश

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएसई) ने घोषणा की है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए जहाजों के अनुरोधों पर तेजी से कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित एक समझौते के उद्देश्यों को पूरा करने के तहत उठाया गया है।

एसएनएसई ने यह घोषणा ईरानी मीडिया की ओर से जारी एक बयान में की है। यह बयान ईरानी राष्ट्रति मसूद पेज़ेशकियन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप से इस समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने के कुछ घंटे बाद आया है। परिषद ने कहा कि इस समझौते के तहत, होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने का अनुरोध करने वाले जहाजों से 60 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा और इसका पूरा खर्च ईरान सरकार उठाएगी। बयान में कहा गया है कि इस जलमार्ग से गुजरने के इच्छुक जहाजों को अपने अनुरोध 'फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण' (पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी) को भेजने होंगे। परिषद ने कहा, विशेष परिस्थितियों और मार्ग में कुछ सुरक्षा खतरों को देखते हुए तथा सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने और समुद्री दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जहाजों का घोषित मार्ग और घोषित समय पर ही गुजरना आवश्यक है। इसके साथ ही परिषद ने भरोसा दिलाया कि इस जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही धीरे-धीरे बढ़ेगी। संस्था ने कहा कि इस जलडमरूमध्य से गुजरने के प्रशासनिक प्रबंधों और तकनीकी विवरणों की घोषणा 'फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण' के माध्यम से की जाएगी। ईरान, अमेरिका और पाकिस्तान ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से इस समझौते को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल

सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान से सुशासन का लाभ पहुंचेगा हर परिवार तक

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक पात्र परिवार को शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसी उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के 23 जिलों में 31 प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के संतृप्तिकरण का व्यापक कार्यक्रम होगा, जिसके माध्यम से योजनाओं की पहुंच, प्रभावशीलता और पारदर्शिता को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का आधार केवल अधोसंरचना का विकास नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार तक शासन की योजनाओं की प्रभावी और समयबद्ध पहुंच सुनिश्चित करना है। सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं संचालित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनके सकारात्मक परिणाम प्रत्येक परिवार के जीवन में दिखाई दें। उन्होंने कहा

कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ऐसी शासन व्यवस्था स्थापित करना है, जिसमें नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े, बल्कि शासन स्वयं पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और उन्हें योजनाओं से जोड़े। सुघ्घर छत्तीसगढ़ इसी सोच का विस्तार है।

'नियद नेल्लानार की सफलता से प्रेरित नई पहल'

वर्ष 2024 से बस्तर संभाग में संचालित 'नियद नेल्लानार' योजना ने शासन और जनता के बीच विश्वास का नया सेतु निर्मित किया है।अभिसरण आधारित सेवा प्रदाय के माध्यम से इस योजना ने दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में शासन की उपस्थिति को मजबूत किया तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की। योजना की सफलता को देखते हुए इसे नियद नेल्लानार 2.0 के रूप में 10 जिलों तक विस्तारित किया गया। अब इसी सफल मॉडल को प्रदेश के शेष 23 जिलों में लागू करते हुए सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

यह अभियान रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के 23 जिलों में संचालित होगा और ग्रामीण परिवारों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा। सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत रायपुर संभाग के रायपुर, बलौदाबाजार- भाटापारा, धमतरी एवं महासमुंद जिले; बिलासपुर संभाग के बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर- चांपा, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले; दुर्ग संभाग के दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम (कवर्धा) एवं राजनांदगांव जिले तथा सरगुजा संभाग के सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले शामिल हैं।

बेटी फांसी पर झूली, पिता के लिए लिखा - 'आई हैट यू'

लोकमाया न्यूज।

राजनांदगांव। एक विचलित कर देने वाला समाचार सुरगी पुलिस चौकी क्षेत्र से सामने आया है। एक तेरह वर्षीया नाबालिग ने सुसाइड नोट में 'आई हेट यू महेश' लिखकर अपनी चुन्नी के सहारे फंदा बनाकर अपनीजान दे दी। सुरगी चौकी क्षेत्र के ग्राम धामनसरा की इस दर्दनाक खबर ने सभी को विचलित कर दिया। कु. कात्यायनी टेंभुरकर पिता महेश टेंभुरकर (13) निवासी धामनसरा ने मौत से पहले सुसाइड नोट में अपने पिता के लिए लिखा 'आई हेट यू महेश' और फिर फांसी के फंदे में झूल गयी। मृतका की एक बहन और मां की पहले ही मौत हो चुकी है। वह अपने पिता के साथ रहती थी। पिता की शराब पीने की आदत और हुड़दंग से तंग आकर वह अपनी मौसी-मौसा के पास रहने लगी। वह कक्षा तीसरी से ग्राम घुपसाल में मौसा-मौसी के संरक्षण में पढ़ाई कर रही थी। गर्मी की छुट्टी में उसके पिता ने यह कहकर कि मैंने पीना बंद कर दिया हूँ, अब तुम मेरे पास आ जाओ, यहआश्वासन देकर उसे अपने पास बुला लिया लेकिन महेश ने शराब पीना बंद नहीं किया था। उसकी हरकतों से परेशान इकलौती बच्ची मुस्कान ने भी मौत को गले लगा लिया।

आईटी सेक्टर में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 800 अंक लुढ़का

एजेंसी।

मुंबई। आईटी सेक्टर की कंपनियों में भारी बिकवाली के दबाव में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 800 अंक गिर गया।

लगातार पांच दिन की तेजी के बाद सेंसेक्स 557.12 अंक टूटकर 76,852.86 अंक पर खुला। आईटी कंपनियों में बिकवाली से इसकी गिरावट और बढ़ी। खबर लिखे जाते समय यह 811.19 अंक (1.05 प्रतिशत) नीचे 76,598.79 अंक पर रहा। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एक्सेंचुअर के इस साल का राजस्व अनुमान घटाने के बाद उसका शेयर 18 प्रतिशत टूट गया। अमेरिका में सूचीबद्ध भारतीय आईटी कंपनियों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली और इसका असर आज घरेलू बाजार पर दिखा। इस समय इंफोसिस का शेयर आठ प्रतिशत से अधिक की गिरावट में है। टीसीएस का शेयर छह फीसदी और टेक महिंद्रा तथा एचसीएल टेक्नोलॉजीज का पांच प्रतिशत से अधिक नीचे चल रहा है। सेंसेक्स में इन चार आईटी कंपनियों के बाद सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक, इटरनल, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयरों में है।

एनटीपीसी, एयरटेल, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ट्रेंट के शेयर फिलहाल बढ़त में हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 176.80 अंक गिरकर 23,991.20 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 220.85 अंक यानी 0.91 प्रतिशत उतरकर 23,947.15 अंक पर था।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट-यूजी 2026 की याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार किया

लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश परीक्षा, नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा को लेकर चिंता जताने वाली याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि इस परीक्षा से जुड़ी सभी याचिकाएं पहले से ही न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा के नेतृत्व वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध हैं। यह परीक्षा आगामी 21 जून को आयोजित होने जा रही है।

नीट परीक्षार्थियों का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष जब इस मुद्दे का उल्लेख किया तो मुख्य न्यायाधीश ने कहा, नीट से जुड़े सभी मामले न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ के पास जाएंगे। इसमें कोई जल्दबाजी नहीं है।

इसके बाद, एक अन्य अधिवक्ता ने लगभग 1,600 नीट

परीक्षार्थियों की चिंताओं की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने दलील दी कि सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों और दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष चल रही कार्यवाही के कारण छात्र भारी तनाव और अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। वकील ने तर्क दिया कि कथित पेपर लीक की रिपोर्टों और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर चल रही चर्चाओं के कारण छात्र भारी दबाव और चिंता में हैं।

अधिवक्ता ने 21 जून की पुनः परीक्षा के प्रवेश पत्रों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। उन्होंने बताया कि कुछ छात्र अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में असमर्थ हैं, जबकि कुछ अन्य को ऐसे प्रवेश पत्र मिले हैं जिनमें उन्हें मूल रूप से आवंटित केंद्रों से अलग परीक्षा केंद्र दिए गए हैं।छात्रों की आशंकाओं को दूर करने का अनुरोध करते हुए अधिवक्ता ने प्रार्थना की कि इस याचिका को कम से कम लंबित नीट मामलों के साथ जोड़ दिया जाए।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने दोहराया कि परीक्षा से जुड़े सभी मुद्दों पर वही पीठ विचार करेगी जो पहले से इस मामले को देख रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब पीठ की बैठक होगी तब इन मुद्दों पर विचार किया जा सकता है। न्यायालय ने कोई भी तत्काल राहत या अलग से सुनवाई की तारीख देने से इनकार कर दिया और परीक्षार्थियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा के नेतृत्व वाली पीठ के समक्ष लंबित मामलों के साथ ही विचार के लिए छोड़ दिया।

मोदी ने राहुल गांधी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन के मौके पर शुक्रवार को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ एवं लंबी उम्र की कामना की।

मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर गांधी को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता

राहुल गांधी जी को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएँ। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूँ।

दिल्ली के मंगोलपुरी में फर्नीचर दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया. संजय गांधी अस्पताल के पीछे स्थित ऑटो मार्केट के पास एक फर्नीचर की दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान मालिक को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। घटना रात करीब तीन बजे की है. स्थानीय लोगों ने अचानक दुकान से उठती आग की लपटें और धुआं देखा, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया. दुकान में बड़ी मात्रा में लकड़ी और फर्नीचर का सामान रखा हुआ था. ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया।

मोदी कल पश्चिम बंगाल जाएंगे

योग दिवस के साथ-साथ पश्चिम बंगाल दिवस में भी होंगे शामिल

लोकमाया न्यूज।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल की दो दिन की दौरे पर जाएंगे जहां वह पश्चिम बंगाल दिवस के साथ-साथ योग दिवस समारोह में भी शामिल होंगे।

मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की 23वीं किस्त के अंतर्गत देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 18,880 करोड़ से अधिक राशि हस्तांतरित करने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वह पश्चिम बंगाल में अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, राष्ट्र को समर्पण तथा शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय में शुक्रवार को बताया कि मोदी कल करीब पौने चार

बजे हुगली जिले के तारकेश्वर में पश्चिमबंग दिवस (पश्चिम बंगाल दिवस) समारोह में भाग लेंगे। वह पश्चिम बंगाल में अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, राष्ट्र को समर्पण तथा शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

रविवार को प्रधानमंत्री सुबह साढ़े छह बजे कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लेंगे। इस अवसर पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद लगभग प्रधानमंत्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह, कोलकाता में देश में ही निर्मित तीन नौसैनिक पोतों आईएनएस दुनागिरि, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को नौसेना में शामिल करेंगे। इस अवसर पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इस वर्ष के पश्चिमबंग दिवस का विषय पश्चिम बंगाल: विरासत, सद्भाव और विकास है, जो राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक एकता और विकास संबंधी आकांक्षाओं को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री अनेक विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, राष्ट्र को समर्पण तथा शिलान्यास करेंगे। रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से संबंधित ये पहलें आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करेंगी, आजीविका में सुधार लाएँगी, किसानों के कल्याण को बढ़ावा देंगी तथा पूरे राज्य में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देंगी।

पीएम मोदी युवाओं को देंगे 2,400 करोड़ का तोहफा, विकसित भारत रोजगार योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को विज्ञान भवन में होने वाले एक खास प्रोग्राम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत करीब 2,400 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन राशि बांटेंगे. प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) के मुताबिक इस स्कीम के लॉन्च होने के बाद से देश भर में करीब 15 लाख रोजगार के मौके बने हैं. इसे कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल होने और हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है. इस स्कीम के तहत पहली बार काम करने वाले कर्मचारी 15,000 रुपये तक के इंसेंटिव के हकदार हैं, जो उन्हें वर्कफोर्स में शामिल होने पर आर्थिक मदद देता है।

गुजरात के पावागढ़ में हादसा, भारी बारिश से गिरी चट्टानों में दबे 4 तीर्थयात्री, 2 की मौत

लोकमाया न्यूज।

पंचमहाल। गुजरात के पंचमहाल के मशहूर शक्तिपीठ पावागढ़ पहाड़ी पर आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया. पावागढ़ में पाटियापुल के पास अचानक एक बड़ा पत्थर गिर गया, जिससे वहां से गुजर रहे चार तीर्थयात्री इसके नीचे दब गए. इस घटना में दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई. उनके शव निकाले गए. मलबे में फंसे अन्य लोगों को हालोल फायर डिपार्टमेंट की टीम ने बचाकर बाहर निकाला. इस घटना के बाद पूरे इलाके और तीर्थयात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार पावागढ़ और आसपास के इलाकों में सुबह से ही भारी बारिश हुई. इस दौरान पहाड़ी इलाका होने के कारण पहाड़ी से पानी का बहाव बहुत तेज हो गया. बारिश के पानी के इस

तेज बहाव के कारण पहाड़ी की मिट्टी और पत्थर कमजोर हो गए, जिसके परिणामस्वरूप पाटियापुल के पास एक बड़ा पत्थर गिर गया. दुर्भाग्य से उसी समय वहां से गुजर रहे तीन श्रद्धालु इस पत्थर की चपेट में आ गए और दब गए. पता चला है कि यह हादसा सुबह करीब 5:00 बजे हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और प्रशासनिक टीमें हरकत में आ गईं. पहाड़ी पर मौजूद रोपवे की बचाव टीम तुरंत मौके पर पहुंची।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने ओंकारेश्वर तीर्थ और ज्योतिर्लिंग ममलेश्वर के दर्शन कर किया अभिषेक

भोपाल (लोकमाया)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को म.प्र. यात्रा के पहले दिन तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में ओंकारेश्वर तीर्थ और द्वादश ज्योतिर्लिंग ममलेश्वर के दर्शन कर अभिषेक भी किया। उन्होंने ममलेश्वर और ओंकारेश्वर भगवान के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने 12 ज्योतिर्लिंग में से एक ममलेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से पहले नंदी प्रतिमा पर बेलपत्र अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद मुख्य गर्भगृह में मुख्य पुजारियों द्वारा वैदिक रीति-रिवाज और विशेष मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का अभिषेक और पूजन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने देशवासियों के कल्याण, सुख-समृद्धि तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। ओंकारेश्वर तीर्थ के दर्शन के पहले राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के बाद खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने स्मृति चिह्न भेंट किया। क्षेत्रीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भी राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को स्मृति चिन्ह के रूप में नर्मदेश्वर शिवलिंग, शंख और भगवान ओंकारेश्वर तीर्थ का छायाचित्र भेंट किया। इस अवसर पर जनजाति कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह, क्षेत्रीय विधायक नारायण पटेल, इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, आईजी अनुराग सिंह व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु अर्जन देव जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के पांचवें गुरु, श्री गुरु अर्जन देव जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपने संदेश में कहा है कि गुरु अर्जन देव ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर सत्य और धर्म के प्रति राष्ट्र को जागृत किया। सेवा, करुणा और न्याय के आदर्शों से परिपूर्ण उनका जीवन अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्मश्री मिल्खा सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फ्लाइंग सिख, 'पद्मश्री' मिल्खा सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि श्री सिंह ने संघर्षों को सकारात्मक रूप में आत्मसात कर अपनी शक्ति बनाई और सपनों को उपलब्धियों में बदल दिया। श्री मिल्खा सिंह ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और ध्येयनिष्ठा से विश्व पटल पर मां भारती का मान बढ़ाया। खेल जगत उनसे सदा प्रेरणा लेता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर किया नमन

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने कभी भी शत्रु के समक्ष शीश नहीं झुकाया। वे रणभूमि में अंतिम श्वास तक वीरतापूर्वक संघर्ष करती रहीं। स्वतंत्रता और मातृभूमि के सम्मान के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का जीवन, राष्ट्र और स्वाभिमान के लिए हमेशा समर्पित रहने की सीख देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय केएस सुदर्शन की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

भोपाल (लोकमाया)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान चिंतक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांचवें सरसंघचालक श्रद्धेय के. एस. सुदर्शन जी की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि श्रद्धेय सुदर्शन जी ने औपनिवेशिक मानसिकता की बेड़ियों में जकड़े समाज की मुक्ति के लिए स्वदेशी दृष्टि तथा हिंदू संस्कृति का विस्तार करने में अपने जीवन को समर्पित कर दिया। ग्राम विकास और सामाजिक समरसता के लिए उनके प्रयास अनुकरणीय हैं।

विश्व योग एवं संगीत दिवस : सुर-ताल और कला के त्रिवेणी संगम से महकेगा मध्यप्रदेश, 14 स्थानों पर होंगे भव्य आयोजन

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आगामी 21 जून 2026 को विश्व योग एवं संगीत दिवस के पावन अवसर पर प्रदेश में कला और संस्कृति का अनूठा उत्सव मनाया जा रहा है। इस विशेष दिवस पर राज्य के 14 स्थानों पर संगीत, नृत्य, चित्र और शिल्पकला पर केंद्रित भव्य सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इन कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश सहित देश के सुप्रतिष्ठित और ख्यातिलब्ध कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, जो कला प्रेमियों के लिए एक अनूठा और अविस्मरणीय अनुभव होगा। संस्कृति विभाग के संचालक एन.पी. नामदेव ने जानकारी दी कि भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारी प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का एक अटूट हिस्सा है। यह मात्र सुरों और रागों का मेल नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाली साधना और असीम मानसिक शांति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस सुदीर्घ परंपरा का उत्सव मनाना गर्व की बात है, और इसका मुख्य उद्देश्य हमारी नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, संस्कृति और कलात्मक धरोहर के प्रति जागरूक व गौरवान्वित करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की जीरो टॉलरेंस नीति का बड़ा असर

सोम डिस्टिलरीज का लाइसेंस नवीनीकरण आवेदन हुआ निरस्त

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की 'जीरो टॉलरेंस' नीति अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विधि के शासन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ राज्य शासन ने सोम डिस्टिलरीज समूह की इकाइयों द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत विभिन्न आबकारी लाइसेंसों के नवीनीकरण संबंधी आवेदन निरस्त कर दिए हैं।

नवीनीकरण के आवेदनों के निरस्तिकरण का यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उस स्पष्ट और दृढ़ प्रशासनिक नीति का प्रतिबिंब है, जिसके तहत भ्रष्टाचार, अवैध कारोबार, नियमों के उल्लंघन, राजस्व अपवंचन तथा जनहित के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के प्रति पूर्णत: जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार का स्पष्ट मानना है कि निवेश, उद्योग और आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ कानून का कठोर एवं निष्पक्ष अनुपालन भी उतना ही आवश्यक है। आबकारी आयुक्त, द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि किसी भी लाइसेंस का नवीनीकरण स्वचालित अथवा अधिकार स्वरूप प्राप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए संबंधित संस्था के समग्र आचरण, विधिक अनुपालन, लाइसेंस की शर्तों के पालन, नियामकीय पात्रता, उपलब्ध अभिलेखों की सत्यता और सार्वजनिक हित से जुड़े पहलुओं का समग्र परीक्षण किया जाना आवश्यक है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915, उससे संबंधित नियमों,

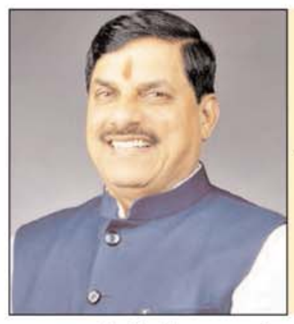

- अवैध गतिविधियों, राजस्व अपवंचन और नियमों के उल्लंघन पर कोई समझौता नही
- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेहिता हुई सुदृढ़

उपलब्ध अभिलेखों तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों का विस्तृत परीक्षण किया गया।

निर्णय प्रक्रिया के दौरान यह तथ्य भी महत्वपूर्ण रहे कि संबंधित समूह से जुड़े मामलों में पूर्व में अवैध शराब परिवहन, कूटरचित परमिटों के उपयोग, शासकीय राजस्व को क्षति पहुँचाने तथा आबकारी कानूनों के गंभीर उल्लंघन से संबंधित प्रकरण न्यायालयों के समक्ष विचारित हुए थे। उपलब्ध दस्तावेजों, साक्ष्यों, जांच प्रतिवेदनों और न्यायिक अभिलेखों का परीक्षण करते हुए संबंधित पक्ष के समग्र आचरण और विधिक अनुपालन की समीक्षा की गई। इसके उपरांत नवीनीकरण आवेदनों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। माननीय उच्च न्यायालय ने भी अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि लाइसेंस नवीनीकरण के प्रकरणों का परीक्षण उपलब्ध तथ्यों, विधिक प्रावधानों तथा संबंधित पक्ष के आचरण के आधार पर स्वतंत्र एवं कारणयुक्त तरीके से किया जाना चाहिए। न्यायालय द्वारा नवीनीकरण का कोई स्वचालित अधिकार प्रदान नहीं किया गया था। इसी विधिक दृष्टिकोण के अनुरूप सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रकरण का परीक्षण कर निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की स्पष्ट मंशा के अनुरूप मध्यप्रदेश में विकास और निवेश की गति को तेज करने के साथ-साथ पारदर्शी, जवाबदेह और नियम आधारित प्रशासन सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का लक्ष्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहाँ ईमानदार उद्यमों और नियमों का पालन करने वाले उद्योगों को प्रोत्साहन मिले, जबकि कानून और जनहित के विरुद्ध कार्य करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो।

आम नागरिकों के विश्वास को भी सुदृढ़ बना रही नीति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा प्रशासनिक तंत्र में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और विधिक अनुशासन को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। शासन की यह नीति न केवल कानून के शासन को मजबूत कर रही है, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास को भी सुदृढ़ बना रही है कि प्रदेश में प्रत्येक निर्णय विधिसम्मत, निष्पक्ष और जनहित सर्वोपरि की भावना के साथ लिया जा रहा है। सोम डिस्टिलरीज प्रकरण में लिया गया यह निर्णय प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट इल्लीगल एक्टिविटीज नीति का एक सशक्त उदाहरण है। यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश देती है कि मध्यप्रदेश में किसी भी व्यक्ति, संस्था या प्रतिष्ठान को कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा तथा नियमों के उल्लंघन, अवैध गतिविधियों और सार्वजनिक हित के प्रतिकूल आचरण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विश्व संगीत दिवस पर विविधा एकेडमी में गूंजा गायत्री मंत्र

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में शहर की प्रतिष्ठित कला एवं संस्कृति संस्था विविधा अकैडमी में एक विशेष संगीतमय आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगीत गुरु अभय तिवारी के सान्निध्य में लगभग 80 विद्यार्थीयों ने सामूहिक रूप से माँ गायत्री के पावन गायत्री मंत्र का संगीतमय प्रस्तुतिकरण किया।

इस अवसर पर बच्चों ने मधुर स्वर और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संगीत, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना था। विविधा एकेडमी सदैव से बच्चों एवं युवाओं में भारतीय संस्कार, सभ्यता, संस्कृति और देश की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। एकेडमी द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों के उत्साह और प्रस्तुति की सराहना करते हुए एकेडमी के इस प्रयास को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

रात्रि चौपाल में राज्यमंत्री टेटवाल ने दिए ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के निर्देश

राजगढ़, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर विकासखंड के ग्राम कुड़लासा में बुधवार की रात आयोजित रात्रिकालीन जनकल्याण शिविर में कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने शिविर में पहुंचकर आसपास के दस गांवों से आए ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और युवाओं से सीधा संवाद किया तथा उनकी समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में कुड़लासा, बुढ़नपुर, निशाना, टीकोद, निनोर, लाटा हैंडी, अनुनी, बनी और कोडियाखेड़ी सहित आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शुरू की।

नारी शक्ति सम्मान 2026 का भव्य आयोजन 5 जुलाई को

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। शिवाय सोशल क्लब एवं उन्मुक्त गगन एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा महिलाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'नारी शक्ति सम्मान 2026' का आयोजन 5 जुलाई को किया जा रहा है।

उक्त जानकारी देते हुए शिवाय सोशल क्लब की अध्यक्ष पारुल शर्मा ने बताया कि यह विशेष कार्यक्रम उन महिलाओं को समर्पित है जो अपने कार्यक्षेत्र में प्रेरणादायी भूमिका निभाते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के संघर्ष, उपलब्धियों और योगदान को पहचान देकर उन्हें प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक होटल ब्लू शिवाजी नगर, मोटेल शिराज के पीछे भोपाल में आयोजित होगा।

उन्मुक्त गगन एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष अर्चना पाण्डेय ने बताया कि आयोजन में विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का समावेश किया गया है, जिनमें खेल प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, लकी ड्रॉ तथा अन्य आकर्षक कार्यक्रम शामिल हैं। प्रतिभागियों के लिए स्नैक्स एवं डिनर की व्यवस्था भी रहेगी।

कार्यक्रम में सहभागिता हेतु पंजीकरण शुल्क 1500 निर्धारित किया गया है। नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और इच्छुक महिलाएं शीघ्र अपना पंजीकरण करा सकती हैं।

पारुल शर्मा ने अधिक से अधिक महिलाओं से इस आयोजन में सहभागिता कर इसे सफल बनाने का आग्रह किया है। इस कार्यक्रम में भागीदारी, पंजीकरण एवं अन्य जानकारी के लिए शिवाय सोशल क्लब की पारुल शर्मा तथा उन्मुक्त गगन एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की अर्चना पाण्डेय से संपर्क किया जा सकता है। पारुल ने कहा कि हमारा उद्देश्य नारी शक्ति का सम्मान करना, उनके संघर्षों और उपलब्धियों को नई पहचान देना है ।

इंदौर की 11 मातृशक्तियों को मिलेगा देवी अहिल्या अलंकरण, 20 जून को होगा भव्य समारोह

पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल होंगे मुख्य अतिथि, पूर्व न्यायाधीश शमीम कुरैशी करेंगे अध्यक्षता

लोकमाया न्यूज।

इंदौर,निप्र। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 11 मातृ शक्तियों को प्रतिष्ठित 'देवी अहिल्या अलंकरण' से अलंकृत किया जाएगा। यह समारोह 20 जून को सुबह 10 बजे रीगल चौराहा स्थित इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित किया जाएगा।

जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल एवं समाजसेवी मदन परमालिया ने संयुक्त रूप से बताया कि इस गरिमामयी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल होंगे वहीं, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शमीम कुरैशी करेंगे।

मां अहिल्या के नाम को जीवंत रखने का प्रयास : ट्रस्ट के पदाधिकारियों पटेल और परमालिया ने बताया कि इंदौर-मालवा की माटी में मां देवी अहिल्याबाई होलकर का नाम पूरे देश और विदेश में प्रसिद्ध रहा है। उनके लोकमाता और न्यायप्रिय स्वरूप को नमन करते हुए श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट प्रतिवर्ष समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को यह सम्मान देता आ रहा है। इस वर्ष भी कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद इंदौर के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत 11 कर्मठ मातृ शक्तियों का चयन किया गया है,जिनमें डॉ. दीपा सोमानी, श्रीमती सरोज चंदेल, अर्चना जीनवाल, नम्रता सावंत डॉ. प्रविशी पिंग्ले, मधुबाला चंदन, सना खान, किरण जैन, प्रीति जैन, रूपल ठक्कर, सौम्या जैन को सम्मान समारोह में सम्मानित कर उनके हौसले को सराहा जाएगा।

विश्व योग दिवस पर विविधा एकेडमी में हुआ योग प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहर की प्रतिष्ठित कला एवं संस्कृति संस्था विविधा एकेडमी में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध योग गुरु श्रीमती उषा शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। योग गुरु श्रीमती उषा शर्मा ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन का भी आधार है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति तनावमुक्त, ऊर्जावान और सकारात्मक जीवन जी सकता है।

विविधा अकैडमी केवल संगीत और नृत्य के क्षेत्र में ही अपने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान नहीं करती, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत रहती है। अकैडमी समय-समय पर ऐसी गतिविधियों का आयोजन करती है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण में सहायक हों। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की इस पहल की सराहना की। अंत में सभी ने योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर की बावड़ी का किया अवलोकन

ऐतिहासिक धरोहरों और जल संरचनाओं का संरक्षण प्राथमिकता : सीएम

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी प्राचीन बावड़ियाँ और जल संरचनाएँ हमारी समृद्ध वास्तुकला और उत्कृष्ट जल प्रबंधन की प्रतीक हैं। इन ऐतिहासिक धरोहरों को संजोकर रखना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को इंदौर के प्राचीन श्री वीरगढ़ी हनुमान मंदिर परिसर में स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन बावड़ी का अवलोकन कर यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को वैज्ञानिक पद्धति से जीर्णोद्धार, बावड़ी के मूल ऐतिहासिक स्वरूप को बिना नुकसान पहुँचाए, वैज्ञानिक पद्धति से इसकी सफाई और जीर्णोद्धार कार्य तत्काल प्रारंभ के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और आम जन की सुरक्षा के लिए बावड़ी के चारों ओर मजबूत सुरक्षा जाली अथवा रैलिंग अनिवार्य रूप से लगाई जाए। बावड़ी के प्राकृतिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए तकनीकी उपाय किए जाएं, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। मंदिर और बावड़ी के आस-पास के क्षेत्र का व्यवस्थित सौंदर्यीकरण किया जाए, जिससे यहाँ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समस्त विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य एक निश्चित समय-सीमा तय कर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

नगरीय विकास प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सुमित मिश्रा, सुदर्शन गुप्ता, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार और कलेक्टर शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

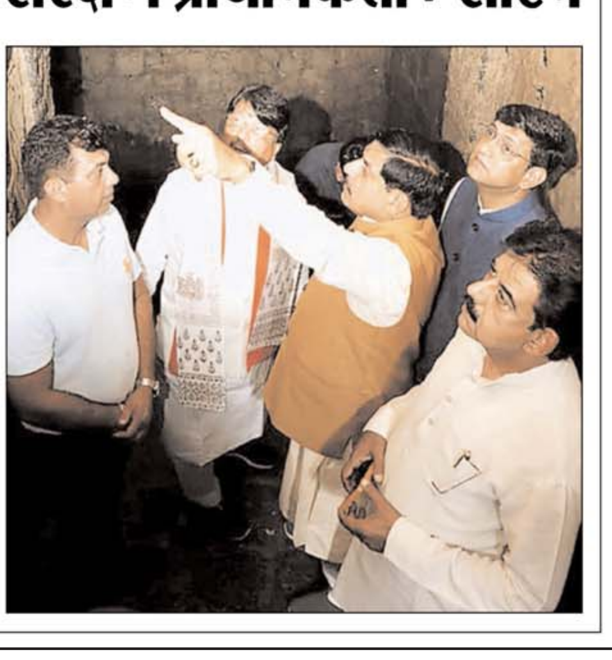

विश्व सिकल सेल दिवस : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्य स्तरीय समारोह

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को ओंकारेश्वर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे।

आज विश्व सिकल सेल दिवस पर ओंकारेश्वर में भव्य समारोह

सिकल सेल रोग उन्मूलन की दिशा में मध्यप्रदेश लगातार प्रभावी कदम उठा रहा है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाकर अब तक 1 करोड़ 32 लाख 43 हजार 877 से अधिक लोगों की सिकल सेल जांच की जा चुकी है। इनमें 39 हजार 948 रोगियों और 2 लाख 42 हजार 648 कैरियर की पहचान की गई है। साथ ही 1 करोड़ 20 लाख 28 हजार 881 से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं और 3,700 सिकल मित्रों को समुदाय आधारित जागरूकता एवं सहयोग के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

प्रदेश में नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग, ट्रैकिंग एवं सतत डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे रोगियों की नियमित निगरानी एवं बेहतर उपचार सुनिश्चित हो रहा है। गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा तथा विशेष प्रबंधन संबंधी नवाचारों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सिकल सेल प्रभावित व्यक्तियों को नि:शुल्क दवाइयाँ, आवश्यक जांच एवं ब्लड ट्रांसफ्यूजन की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रदेश के जनजातीय अंचलों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, चिकित्सकीय एवं प्रबंधकीय स्टाफ का निरंतर प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है। संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक टीकाकरण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही पात्र हितग्राहियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी (यूडीआईडी) कार्ड एवं पेंशन योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

क्रेशर वाहनों से वसूली करने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पैसा नहीं तो गाड़ी नहीं कहकर करता था गुंडागर्दी

बिलासपुर। बिल्हा पुलिस ने क्रेशर संचालकों और ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर बदमाश सत्यप्रकाश उर्फ सत्या उर्फ प्रदीप घृतलहरे (44) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी पर साथियों के साथ मिलकर मारपीट, धमकी और अवैध उगाही करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 16 जून को ग्राम पंचायत दुर्गडीह के पास आरोपी अपने भाई और अन्य साथियों के साथ टेंट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों को रोक रहा था। आरोप है कि वह क्रेशर में चलने वाले ट्रकों की रॉयल्टी जांचने के नाम पर चालकों से जबरन पैसे मांगता था। विरोध करने पर ट्रक चालकों के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोपी कथित तौर पर यह कहकर लोगों में भय पैदा कर रहा था कि जब तक पैसा नहीं दोगे, गाड़ियां नहीं चलेंगी और शासन-प्रशासन उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। घटना की शिकायत मिलने के बाद बिल्हा पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर सिरगिट्टी क्षेत्र में घेराबंदी कर हिस्ट्रीशीटर सत्यप्रकाश घृतलहरे को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ अवैध उगाही और मारपीट की घटना स्वीकार कर ली। पुलिस ने घटनास्थल से टेंट और कुर्सियां भी जब्त की हैं। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नीट यूजी 2026 अभ्यर्थियों के लिए सिम्स में 24-7 मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू

बिलासपुर। नीट यूजी 2026 परीक्षा परिणाम एवं प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव को देखते हुए छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर ने अभ्यर्थियों के लिए 24म7 मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ की है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार सिम्स के मनोरोग विभाग के माध्यम से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे विद्यार्थियों को समय पर मनोवैज्ञानिक परामर्श और भावनात्मक सहयोग मिल सके। सिम्स अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मोबाइल नंबर 9425502353 को 18 जून 2026 से आगामी दो सप्ताह तक हेल्पलाइन नंबर के रूप में संचालित किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम, काउंसिलिंग, प्रवेश प्रक्रिया एवं भविष्य को लेकर होने वाली चिंता, तनाव, घबराहट अथवा अन्य मानसिक समस्याओं के संबंध में विशेषज्ञ चिकित्सकों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

बेलतरा हाईवे पर दर्दनाक हादसा, ट्रेलर के नीचे दबकर दो सगे भाइयों की मौत

बिलासपुर। जिले के बेलतरा हाईवे पर शुक्रवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। कोयले से भरा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया, जिसकी चपेट में आने से बाइक सवार दोनों भाई ट्रेलर के नीचे दब गए। मृतकों की पहचान संदीप रजक और प्रदीप रजक के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों भाई काम खत्म कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बेलतरा हाईवे पर सामने से आ रहा कोयला लदा ट्रेलर अचानक चालक का नियंत्रण खोने के कारण पलट गया। हादसा इतना भयावह था कि दोनों युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे ट्रेलर के नीचे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हालांकि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह ट्रेलर की तेज रफ्तार और चालक द्वारा वाहन पर नियंत्रण खो देना माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और ट्रेलर चालक से भी पूछताछ की जा रही है। एक ही परिवार के दो कमाऊ बेटों की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे बेलतरा क्षेत्र में शोक का माहौल है और स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। यह हादसा एक बार फिर सड़कों पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

पशुपालन विभाग की मैदानी संस्थाओं के संचालन समय में बदलाव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास विभाग द्वारा संचालित मैदानी चिकित्सा संस्थाओं के संचालन समय में संशोधन किया गया है। शासन के आदेशानुसार अब पशु चिकित्सालय, पशु औषधालय, कृत्रिम गर्भाधान केंद्र, कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र तथा मुख्य ग्राम इकाइयों का संचालन प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, डॉ जीएसएस तंवर ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार शासकीय अवकाश के दिनों में भी इन संस्थाओं का संचालन सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, ताकि पशुपालकों को आवश्यक सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। पशुधन विकास विभाग ने जिले के सभी पशुपालकों, डेयरी संचालकों, किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे पशु चिकित्सा एवं संबंधित सेवाओं का लाभ निर्धारित समयावधि में प्राप्त करें। विभाग के अंतर्गत संचालित सभी मैदानी संस्थाएं नए समयानुसार नियमित रूप से कार्य करेंगी।

मछली पालन के लिये लाखों रूपये खर्च, आमदनी फूटी कौड़ी नहीं

मामला जिला मुख्यालय से लगे जर्वे स्थित रिपा गौठान का

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। मछली पालन के लिये लाखों रूपये खर्च करके हाइटेक मछली पालन इकाई का निर्माण कराया गया। लेकर इस मछली पालन सरोवर से फूटी कौड़ी आमदनी तक नहीं मिली और अब इस समय लाखों रूपये की लागत से निर्मित मछली पालन इकाई अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहीं है। यह मामला है जिला मुख्यालय से लगे महज एक किलोमीटर दूर स्थित जर्वे च की गौठान का जिसे औद्योगिक पार्क अर्थात रिपा गौठान के रूप दिया गया। इस पार्क में सिर्फ और सिर्फ मछली पालन के लिये ही लाखों रूपये पानी की तरह सरकार के पैसों की बर्बादी हुई है। इस समय यहाँ मछली तो दूर, यहाँ तक कि एक बून्द पानी तक नहीं है। सरोवर को भरने बाकायदा बोर खनन कराया गया। बोर को चलाने सौर ऊर्जा का इकाई स्थापित किया गया। सरोवर से पानी का रिसाव रोकने लाखों रूपये की लागत मोटी तिरपाल से ढकी गईं और इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को लुभाने के लिए इन दोनों सरोवर को आकर्षक बनाया गया। तथा उन्नत प्रजाति की मछली भी डाल दी गईं। लेकिन प्रदेश में भूपेश बघेल के सरकार के जाते ही देखते ही देखते लाखों रूपये की लागत से निर्मित जर्वे च का औद्योगिक पार्क में स्थित मछली पालन इकाई अर्थात सरोवर की हालत बद से बदतर हो गईं है। इस समय लाखों की लागत से निर्मित मछली पालन इकाई अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहीं है। इस बदहाली को न तो कोई देखने वाला है और ही यहाँ पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन,बिहान से जुड़े महिला स्व सहायता समूहों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के लिये दी गई लाखों रूपये की काम में मछली पालने वाली गतिविधि भी रिपा में नहीं दिखाई नहीं दे रहीं है।

एग्रीस्टेक पंजीयन, नक्शा बंटाकन के कार्यों में लाएं तेजी : जन्मेजय महोबे

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों ली बैठक

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में एग्रीस्टेक पंजीयन, नक्शा बंटाकन, स्वामित्व योजना, नगरीय निकायों में आवास पट्टा सर्वे, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों, भू-अर्जन, अवैध अतिक्रमण सहित अन्य राजस्व विषयों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एग्रीस्टेक पंजीयन, नक्शा बंटाकन के कार्यों में लाएं तेजी - जन्मेजय महोबे ने एग्रीस्टेक पंजीयन के अंतर्गत शेष कृषकों का विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र किसानों का पंजीयन समय-सीमा में पूर्ण किया जाए ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके। इसके लिए राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नक्शा बंटाकन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कैम्प कोर्ट आयोजित कर शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अवैध अतिक्रमण के मामलों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित भूमि पर लाल झंडी लगाकर उसकी पहचान सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अतिक्रमण मुक्त भूमि पर व्यापक वृक्षारोपण तथा भूमि की नियमित निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। नगरीय निकाय क्षेत्रों में आवास पट्टा सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों सर्वे समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर हितग्राहियों को स्वामित्व अभिलेख उपलब्ध कराने कहा। इसके अलावा भू-अर्जन प्रकरणों, मुआवजा भुगतान, डायवर्सन, ई-कोर्ट में दर्ज राजस्व प्रकरणों, राजस्व अभिलेखों के अद्यतनकरण, डिजिटल भूमि अभिलेख, भू-राजस्व वसूली, प्राकृतिक आपदा सहायता प्रकरणों तथा समय सीमा, जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता से जुड़े प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर आर के तंबोली, सर्व एसडीएम, तहसीलदार एवं राजस्व व संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचार उपस्थित थे।

कलेक्टर-एसपी ने नीट परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सुव्यवस्थित संचालन के लिए केंद्राध्यक्षों को दिए आवश्यक निर्देश

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली नीट यूजी 2026 परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए अधिकारियों एवं केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम जांजगीर सुब्रत प्रधान, डिप्टी कलेक्टर शशि कुमार चौधरी, केंद्राध्यक्ष, सिटी कोऑर्डिनेटर, नोडल प्रशासनिक अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने परीक्षा केंद्रों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, सीसी टीवी कैमरा, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही परीक्षा संचालन से संबंधित सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नीट यूजी-2026 परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की एवं विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी केंद्राध्यक्षों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने परीक्षा अवधि के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, परीक्षा केंद्रों की निगरानी एवं यातायात प्रबंधन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखते हुए कानून-व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जाए।

बनारी में मूर्ति अनावरण एवं प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए राजेश्री

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम बनारी में आयोजित मूर्ति अनावरण एवं मां मनका दाई मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में परम पूज्य महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर ने सहभागिता निभाते हुए ग्रामवासियों को शुभाशीष प्रदान किया। उन्होंने सबसे पहले स्वर्गीय पंडित राम रक्षित शुक्ल (रामायणी) के मूर्ति का अनावरण किया तत्पश्चात मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि- यह अत्यंत हर्ष, गौरव और सौभाग्य का विषय है कि ग्रामवासियों की श्रद्धा, भक्ति, एकता और समर्पण से इस दिव्य मंदिर का निर्माण संभव हो सका है। मंदिर निर्माण धर्म, संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण का ऐतिहासिक कार्य है। उन्होंने ग्राम के सभी प्रबुद्ध जन, श्रद्धालुओं, दानदाताओं एवं सहयोगियों को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि जिन्होंने इस पुण्य कार्य का संकल्प लिया और उसे पूर्ण करने में अपना योगदान दिया, वे वास्तव में धर्मसेवा के कर्णाधार हैं। यहाँ होने वाले धार्मिक अनुष्ठान, कथा, कीर्तन एवं सत्संग जनमानस को धर्ममार्ग पर चलने की प्रेरणा देंगे तथा समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करेंगे। महामंडलेश्वर राम प्रिय दास जी, मनोज पांडे एवं प्रणव समदरिया ने भी लोगों को अपने विचारों से अवगत कराया। इस अवसर पर विशेष रूप से वीरेंद्र तिवारी, कृष्ण कुमार पांडे, ज्ञानेश तिवारी, आशीष, कमलेश सिंह, सुशांत सिंह, विकास शुक्ला, बलराम पांडे, आलोक शर्मा, बोधराम राजवाड़े, मनोज थवाईत, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक गण उपस्थित थे।

भाजपा सरकार ने जनता को दिया 440 वोल्ट का झटका : हरबंश

पामगढ़ विधायक मीडिया से चर्चा कर ली पत्रकारवार्ता

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में की गई वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बढ़ी हुई बिजली दरों के विरोध में गुरुवार को सक्ती में आयोजित पत्रकार वार्ता में पामगढ़ विधायक शेषराज हरबंश ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि विष्णुदेव साय सरकार ने आम जनता, किसानों और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पहले ही महंगाई से परेशान है, ऐसे में बिजली दरों में वृद्धि कर सरकार ने लोगों को 440 वोल्ट का झटका दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासनकाल में बिजली आपूर्ति की स्थिति कमजोर हुई है, जबकि उपभोक्ताओं के बिल लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बढ़ी हुई बिजली दरों का पुरजोर विरोध करती है और जनता की आवाज बनकर संघर्ष जारी रखेगी। कांग्रेस का आरोप है कि बिजली दर वृद्धि से आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों और छोटे व्यवसायियों की आर्थिक परेशानियां बढ़ेंगी, जबकि सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल रही है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से बिजली दर वृद्धि वापस लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्णय वापस नहीं लिया गया तो प्रदेशभर में जनआंदोलन किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रश्मि गबेल,घनश्याम देवांगन, बलराम पांडेय, राकेश रामेर, प्यारे लाल कुँवर, लाला सोनी, पवन साहू, पुरुषोत्तम साहू, कुसुम यादव, पिंटू ठाकुर सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता,पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुलाई से स्मार्ट मीटर के खिलाफ चलेगा हस्ताक्षर अभियान : डॉ. डहरिया

बिजली दर वृद्धि से को लेकर पूर्व मंत्री ने मीडिया से किये चर्चा

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में हुई वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बढ़ी हुई बिजली दरों के विरोध में गुरुवार को जिला मुख्यालय जांजगीर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विष्णुदेव साय सरकार ने आम जनता, किसानों और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। डॉ. डहरिया ने कहा कि प्रदेश की जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है। ऐसे समय में बिजली दरों में वृद्धि कर सरकार ने लोगों को 440 वोल्ट का झटका देने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में बिजली आपूर्ति व्यवस्था कमजोर हुई है, जबकि उपभोक्ताओं के बिजली बिल लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजली दरों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक असर मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों, किसानों तथा छोटे व्यवसायियों पर पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी इस निर्णय का पुरजोर विरोध करती है और जनता की आवाज बनकर संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है और बढ़ी हुई बिजली दरों को तत्काल वापस लेना चाहिए। पूर्व मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने बिजली दर वृद्धि का निर्णय वापस नहीं लिया तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी जनआंदोलन छेड़ेगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस जुलाई माह से स्मार्ट मीटर के विरोध में व्यापक हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर उपभोक्ताओं से संपर्क करेंगे तथा उनके हस्ताक्षर एकत्रित करेंगे। डॉ. डहरिया ने कहा कि कांग्रेस जनता के हितों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी और बिजली दर वृद्धि सहित जनविरोधी निर्णयों का लगातार विरोध करेगी। इसके पूर्व कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल में पत्रकारवार्ता को सम्बोधित किया।

जांजगीर-नैला स्टेशन में ऑटो सिग्नलिंग व चौथी लाईन कनेक्टिविटी कार्य से यातायात प्रभावित

(लोकमाया न्यूज)।

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-चांपा चौथी लाइन परियोजना के अंतर्गत जांजगीर-नैला स्टेशन पर अप ग्रिड में ऑटो सिग्नलिंग सहित चौथी लाइन कनेक्टिविटी के कमीशनिंग कार्य हेतु नॉन-इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 22 जून से 5 जुलाई तक विभिन्न चरणों में संपादित किया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं रेल परिवहन क्षमता में वृद्धि के लिए बिलासपुर-झारसुगुड़ा के मध्य 206 किलोमीटर लंबी चौथी रेल लाइन परियोजना का कार्य लगभग ?2135.34 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अब तक 180 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना के पूर्ण होने पर इस महत्वपूर्ण रेलखंड की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे ट्रेनों का परिचालन अधिक सुगम एवं गतिशील होगा। साथ ही, यात्री एवं माल परिवहन को गति मिलने से क्षेत्र के उद्योग, व्यापार एवं रोजगार को बढ़ावा मिलेगा तथा यात्रियों को बेहतर एवं अधिक सुविधाजनक रेल सेवाओं का भी लाभ प्राप्त होगा।इस महत्वपूर्ण अधोसंरचना विकास के लिए किए जा रहे कार्य के फलस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

मानवीय त्रासदी की आखिर चिंता किसे

बड़े पर्यटन स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में हुए अग्निकांड ने राष्ट्रीय राजधानी में आम प्रशासन के ध्वस्त हो चुके सिस्टम की पोल खोली है। इस दर्दनाक घटना में 21 लोगों की जान गई, जिनमें दर्जन भर विदेशी हैं। दिल्ली में बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) स्कीम के तहत आवासीय इलाकों में मकानों को होटल की तरह चलाने की छूट मिली हुई है। मगर, इसके लिए नियम और शर्तें तय हैं। बुधवार को हुए हादसे ने बताया कि इन नियम- शर्तों की किस धड़ल्ले से और कितना बेखौफ होकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिस बीएंडबी होटल में आग लगी, उसे छह कमरे देने की इजाजत थी, मगर वहां 26 कमरों में आगंतुक रखे जा रहे थे।

फायर संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत उसके मालिक नहीं समझी थी! और अब यह साफ है कि दिल्ली सरकार या एमसीडी के अधिकारियों ने निगरानी या औचक निरीक्षण की या तो जरूरत नहीं समझी, या फिर उनकी मिलीभगत से यह गोरखधंधा चल रहा था। अब मीडिया रिपोर्टों से यह भी साफ है कि उस इलाके में ऐसे अपने होटल चल रहे हैं। और उसी इलाके में क्यों, जब वहां ऐसा हो रहा है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसा राष्ट्रीय राजधानी के अन्य इलाकों में भी चल रहा होगा! अग्निकांड का शिकार हुआ होटल एक बड़े प्राइवेट अस्पताल के पास है। उस अस्पताल में इलाज कराने आए लोगों के परिजन आस-पास के ऐसे ठिकानों पर ठहरते हैं।

भारत- खासकर दिल्ली कथित मेडिकल टूरिज्म का प्रमुख स्थल है, जहां मध्य, पश्चिम एवं दक्षिण एशिया, अफ्रीका और कुछ यूरोपीय देशों के मरीज भी इलाज कराने आते हैं। इस हादसे की खबर उन देशों में कैसा माहौल बनाएगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। अभद्रता, महिलाओं से दुर्व्यवहार, गंदगी और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यटन उद्योग के बड़े स्थल के रूप में उभरने की भारत की महत्त्वाकांक्षा पहले ही चोटिल हो चुकी है। अब ये धारणा बनी कि मरीज या उनके परिजनों के लिए यहां सुरक्षित स्थितियां नहीं हैं, तो मेडिकल टूरिज्म भी प्रभावित हो सकता है। मगर अपने यहां मानवीय त्रासदी और उनके दूरगामी परिणामों की आखिर चिंता किसे है!

पिता दिवस 21 जून

'खुद के सपनों की ज़मीं को बंजर करने वाला ही पिता होता है ...!

हरदीप सिंह पुरी

एक युवा को जब सच्ची समझ की जरूरत हो । जब उसे एक ऐसे व्यक्ति के सानिध्य को पाना हो , जो उसकी परवाह कर सके । जब एक युवक को सच्चे मार्गदर्शक की जरूरत हो ...तो विकल्प एक ही होता है , जो पिता के रूप में बार -बार आँखों के आगे मंडराता रहता है। इसके पीछे ठोस कारण यह है कि पिता ही एक उम्र के बाद ऐसा मित्र होता है जिस पर आँख बंद करके भरोसा किया जा सकता है । पिता का हृदय ही वह शारीरिक हिस्सा है , जो प्रकृति की सबसे बड़ी कृति मानी जा सकती है । पिता की भूमिका के संदर्भ में एक सैनिक के विचार मुझे अंदर तक झकझोर जाते हैं । खुद के सैनिक होने पर गर्व करने वाला जवान कहता है -卐 मुझे गर्व है कि मैं निर्माण के लिए विनाश करता हूं । मेरा गर्व तब झूठा साबित हो जाता है जब मैं यह अनुभव करता हूं कि एक पिता केवल निर्माण करता है , कभी विनाश नहीं करता ! 卐 एक पिता का हृदय बड़ा ही कोमल हुआ करता है । यदि वह आपको फटकार लगाता है तो उसके पीछे भी आपके खुशहाल जीवन का उद्देश्य छिपा होता है । डांट लगाने वाला पिता अपने पुत्र - पुत्री के गहरी नींद में होने पर उसे सहलाता है । यह उसके कोमल हृदय का ही प्रतीक है । परिवार में पिता की भूमिका कभी नरम , कभी गरम वाली तासीर लिए होती है । अनुशासन और व्यवहारिकता का पाठ पढ़ाने वाला पिता ही वह शख्स होता है जो खुले आकाश में बेटे - बेटियों को पंख फैलाने का हौसला प्रदान करता है ।

मै बेशक यह कह सकता हूं कि पिता ही सच्चा मार्गदर्शक होता है । कभी मौन रहकर इशारों से तो कभी डांट लगाकर अपनी संतान को जीवन भर एक साए की तरह सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहता है । वही रक्षक और संरक्षक है , जो पल -पल अपने बच्चों के लिए ढाल बनकर मुसीबतों के आगे खड़ा रहता है । पिता पोषक है , जो

परिवार की रीढ़ बनकर हर जरूरत पूरी करता रहता है । वह प्रेरक है , जो अपने बेटे -बेटियों को भविष्य की स्वर्णिम राहों में आगे बढ़ने का हौसला देता रहता है । अपने बच्चों के छोटे से छोटे दु:ख को अपने ऊपर लेने वाला परिवार का यह शख्स अपने हक का हर सुख अपने बच्चों पर न्योछावर कर देता है । किसी बच्चे की मां न हो तो यही शख्स माता और पिता की दोहरी भूमिका मजबूती के साथ निभाता नजर आता है । खासकर एक पिता अपनी बेटियों के लिए आदर्श और हीरो के रूप में देखा जाता है । कहा जाता है कि पिता का अस्तित्व मात्र उसकी संतान के लिए ब्रह्मांड से भी व्यापक होता है । बच्चों के प्रति उसके स्नेह की गहराई सागर की गहराई को भी चुनौती देती नजर आती है । पिता का चरित्र उस कुम्हार की तरह होता है जो ऊपर से अपने द्वारा बनाए जा रहे बर्तनो को आकार देता है और पीछे से हाथ का सहारा देकर बड़ी सुरक्षा प्रदान करता है । अपने खुद के सपनों की ज़मीं को बंजर करने वाला पिता , बेटे - बेटी रूपी प्राप्त फल को रसीला बनाने की हर कोशिश को ऐसे सफल कर दिखाता है मानो पथरीली जमीन भी उपजाऊ बन चुकी हो ।

पिता के प्यार को बच्चे कभी भी खुलकर देख नहीं पाते हैं , किंतु बच्चों के जीवन में आई छोटी सी परेशानी भी पिता के माथे की सिलवटों के रूप में उभर आती है । परिवार के जिस सदस्य की आँखें कभी आँसू नहीं बहातीं उसका दिल जार - जार रोता है ! वह कोई और नहीं एक पिता ही होता है । जीवन के कठोर धरातल पर संतान रूपी फूल के खिलते ही एक पिता की भूमिका में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई पड़ने लगता है । उसी दिन से नवोदित पिता उस फूल का माली बन जाता है । यदि गहराई से चिंतन किया जाए तो एक पिता हमेशा नेपथ्य में ही रहता है ! इसे सिद्ध करने की जरूरत इसलिए नहीं है कि - दुनिया देख रही है एक पिता अपना पूरा जीवन बिना किसी दिखावे के अपनी संतानों की खुशी में होम कर देता है ! एक परिवार में पिता की बुनियाद कितनी मजबूत होती है इसे भी समाज बेहतर समझता है । बिना पिता की संतान से समाज तो क्या परिवार के अन्य सदस्य , रिश्ते - नातेदार सभी मुँह मोड़ लेते हैं ! शर्तों की नोक पर ऐसे बच्चों को जीवनयापन के लिए विवश करते आज भी देखा जा रहा है । आज के बदलते दौर में पिता और बेटी का संबंध ज्यादा प्रगाढ़ हो रहा है । कारण यह कि कलयुग में अत्याचार और पाप के शिकार से बेटियों को बचाना नितांत जरूरी हो गया है ।

समय की बदलती धारा में संयुक्त परिवार एकल परिवार में परिवर्तित हो रहे हैं । यही कारण है कि बेटियों को उनके पिता मित्र के रूप में मिल पा रहे हैं । मनोवैज्ञानिकों की मानें तो पिता और बेटी की घनिष्ठता मानसिक तौर पर बेटी को मजबूत और साहसी बनाने में कारगर भूमिका निभाती है । ईश्वर ने भी बेटियों को इस तरह के विचार प्रदान किये हैं कि वे अपनी कोमलता और भावनात्मकता अपने पिता में रोपती हैं । यही कारण है कि धीर , गंभीर और कठोर दिखने वाले पिता भी बेटियों की संगत में भावविह्वल हो जाते हैं ।

ऋग्वेद में पिता शब्द पालनकर्ता के रूप में बताया गया है । पिता को जीवन रूपी बगिया का रखवाला माना गया है । पिता ही अपने बच्चों को डग भरना सिखाते हैं । जीवन के पथरीले मार्ग में चलते हुए लड़खड़ाने के बाद उठना और मंजिल की ओर दौड़ लगाने का हौसला भी पिता ही दे पाता है । बचपन में अनुशासन के लिए कि गई कड़ाई भले ही कड़ुए अनुभव देती हो , किंतु युवावस्था में सफलता की सीढ़ी चढ़ने के साथ उसी कड़ाई के बेहतर परिणाम पिता के प्रति आदर्श बन जाते हैं । जिंदगी की जंग में जब - जब बच्चों के माथे पर सिलवटें और चेहरों पर मायूसी दिखती है , तब - तब पिता ही आकर हाथ फेरा करते हैं और चमत्कारी तीन शब्द - 卐 मै हूं ना..卐 रूपी मरहम लगाकर सारी मायूसी को हवा करने में तनिक भी देर नहीं करते ।

पिता के प्रेम को समझना चाहें तो हमें अपनी युवावस्था से निकलकर कुछ क्षण के लिए बचपन में गोता लगाना होगा । पूरा दृश्य एक चढ़लचित्र की भांति नजरों के सामने नाचता दिखेगा । हमारे सामने वह दृश्य भी घूमता और उछल कूद करता दिखेगा जिसमें हमारे पिता हमारे कंधों को पकड़कर कैसे हमें साइकिल चलाना सिखा रहे हैं ! कैसे हमारे हर सवाल का रोचक तरीके से जवाब देकर संतुष्ट कर रहे हैं । घोड़ा और हाथी बनकर कैसे पिता अपने बच्चों को लादकर अपनी पीठ के दर्द को भूल जाया करते थे ! हमें याद रखना होगा कि विश्व में किसी भी तीर्थ की यात्राएं व्यर्थ हैं , यदि बेटे के होते माता - पिता असमर्थ हैं ! पिता के अरमानों को पूरा करने के लिए किसी भी कष्ट को हँसते हुए झेल जाना ही एक पुत्र का परम कर्तव्य होना चाहिए ।

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291

फाइबर अर्थव्यवस्था: भारत का अगला बड़ा वैश्विक अवसर

गिरिराज सिंह

बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

फाइबर के साथ भारत का 5,000 बरस पुराना सभ्यतागत संबंध है, जो हमारे गाँवों, परंपराओं तथा सामूहिक पहचान में गहराई से गुँथा है। बुनी हुई हवा कहलाने वाली मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध मलमल से लेकर समस्ते महाद्वीपों तक फैली भारतीय कारीगरी तक — फाइबर हमेशा से हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा रहा है। आज, जब दुनिया वैश्विक स्थिरता की क्रांति की कगार पर खड़ी है, तब यही प्राचीन ज्ञान हमारी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति है।

दशकों तक केले के पेड़ के तने को बेकार अपशिष्ट मानकर फेंक दिया जाता था। आज वही बायोमास प्रीमियम फाइबर बनकर निर्यात बाज़ारों की मांग पूरी कर रहा है, ग्रामीण आजीविकाओं को सशक्त बना रहा है और इस कृषि अवशेष को राष्ट्रीय आय में बदल रहा है। अपशिष्ट से समृद्धि तक, स्थानीय प्रचुरता से वैश्विक अवसर तक — यही भारत की न्यू एज फाइबर मुहिम का सार है, जो हरित सामग्रियों और भविष्य के लिए तैयार वस्त्रों में भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है। न्यू एज फाइबर ऐसे टिकाऊ एवं पौधों-आधारित पदार्थ हैं, जो भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ जोड़ते हैं। बांस, भाँग, केला, पीएएलएफ, फ्लैक्स, रेमी, सिसल, मिल्कवीड और कपोक जैसे फाइबर सदियों से मौजूद रहे हैं, लेकिन अब इन्हें वस्त्र उद्योग, रक्षा, बायोडिग्रेडेबल कंपोज़िट्स और प्रीमियम उत्पादों में उच्च-मूल्य उपयोगों के लिए नए सिरे से खोजा जा रहा है। ये हरित भविष्य के लिए भारत के प्राकृतिक फाइबर भंडार का विस्तार कर रहे हैं।

बढ़ती आय, वैश्विक स्थिरता संबंधी अनिवार्यताएँ और ट्रेसेबल सोर्सिंग की आवश्यकताएँ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह बदल रही हैं और एक नई फाइबर अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही हैं। उपभोक्ता अब अपने पहनने के कपड़ों में आराम, पसीना सोखने की क्षमता या ब्रीदेबिलिटी और टिकाऊपन चाहते हैं। यही महत्वकपूर्ण बदलाव भारत में फाइबर की खपत को आज के 15 एमएमटी से बढ़ाकर 2030 तक 23 एमएमटी तक ले जाने वाला है। दुनिया अब तेजी से वही तलाश रही है, जिसे भारत प्रदान कर सकता है : नैतिक, टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन वाले प्राकृतिक फाइबर, जो सदियों के अनुभव पर आधारित हैं।

इस विजन को एक स्पष्ट संस्थागत एवं नीतिगत ढाँचे का समर्थन प्राप्त है। वर्ष 2026-2031 के लिए 5,664 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाले मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी के अंतर्गत न्यू एज फाइबर्स के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। इस प्रयास को और सशक्त बनाते हुए, केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित राष्ट्रीय फाइबर मिशन एक व्यापक रणनीतिक ढाँचा प्रदान करता है, जो चार प्रमुख स्तंभों : कृषि-सूत्र- खेती और कच्चे माल के विकास के लिए, इन्फिनिटी-अनुसंधान एवं नवाचार के लिए, ग्राम-सेतु - अवसंरचना और उद्यम सृजन के लिए, तथा जीएमपीएस: ब्रांडिंग और बाज़ार विकास के लिए - पर आधारित है ।

इस नीतिगत ढाँचे की शक्ति दशकों से जारी वैज्ञानिक अनुसंधान में निहित है, जिसे ठोस परिणाम पहले से ही सामने आ चुके हैं। मिल्कवीड (आक/मदार) जिसे पारंपरिक रूप से भगवान शिव को अर्पित किया जाता है, नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (एनआईटीआरए) में 18 वर्षों के अनुसंधान के बाद एक बड़ी कामयाबी के तौर पर सामने आया है। अब इसका उपयोग रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर -20एC तापमान में कार्यरत सैनिकों के लिए स्लीपिंग बैग बनाने में किया जा रहा है। ये स्लीपिंग बैग अपने पॉलिएस्टर विकल्पों की तुलना में 10% हल्के, ऊन से अधिक गर्म तथा सीएलओ/सेल प्रमाणित हैं। 55 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि पर बिना उर्वरक के उगाए जाने पर यह पौधा किसानों को प्रति एकड़ प्रतिवर्ष 1.5-2 लाख रुपये तक की आय प्रदान करने की क्षमता रखता है। केले का फाइबर प्रतिवर्ष लगभग 1.8 मिलियन टन उत्पादन की क्षमता रखता है और कृषि अवशेषों से किसानों को अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है, जबकि बांस प्रति हेक्टेयर 60 टन तक बायोमास उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जिससे पूर्वोत्तर भारत के लिए बड़े अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

डिजिटल लॉकर में भविष्य, क्रेडिट बैंक में जमा होगी पढ़ाई
छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा क्षेत्र में केंद्र की बड़ी सौगात

विष्णु प्रसाद वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के तहत छत्तीसगढ़ को मिली सबसे बड़ी सौगातों में से एक—एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) और डिजीलॉकर एकीकरण योजना ने राज्य के उच्च शिक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से सत्र 2023-24 से अनिवार्य रूप से लागू हुई यह योजना वर्ष 2026 में पूरी तरह परिपक्व हो चुकी है। अब राज्य का हर छात्र अपनी जेब में डिजिटल यूनिवर्सिटी लेकर घूम रहा है।

क्या है यह क्रेडिट बैंक और कैसे बदलेगी जिंदगी ?

कल्पना कीजिए एक ऐसे बैंक की, जहाँ पैसा नहीं बल्कि आपकी पढ़ाई और कॉलेज के क्रेडिट (अंक) जमा होते हैं। यदि किसी वजह से आपकी पढ़ाई बीच में छूट जाए, तो यह बैंक आपकी मेहनत को बेकार नहीं जाने देता। मान लीजिए बस्तर के किसी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र को पारिवारिक कारणों से सेकंड ईयर के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी। पहले की व्यवस्था में उसकी दो साल की पढ़ाई जीरो मान ली जाती थी। अब पहले दो वर्षों में छात्र ने जो भी अंक या क्रेडिट कमाए हैं, वे उसकी एबीसी आईडी के जरिए डिजिटल बैंक में सुरक्षित रहेंगे। दो या तीन साल बाद जब वह दोबारा पढ़ना चाहेगा, तो वह रायपुर, बिलासपुर या देश के किसी भी अन्य विश्वविद्यालय में सीधे थर्ड ईयर में प्रवेश ले सकेगा। इसे ही मल्टीपल एंट्री एंड एग्जिट कहा गया है।

छत्तीसगढ़ में डिजिटल क्रांति का स्कोरकार्ड

यह एकीकृत डिजिटल सिस्टम न केवल छात्रों के दस्तावेजों को सुरक्षित कर रहा है, बल्कि उन्हें देशव्यापी स्तर पर अपनी पढ़ाई को सुगम बनाने की आजादी भी दे रहा है। वर्तमान में यह योजना छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है, जिसके दायरे में राज्य के 6.5 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं आ रहे हैं। इस महा-अभियान में राज्य के अग्रणी विश्वविद्यालय जैसे पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (रायपुर), अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय (बिलासपुर), और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय (बस्तर) सहित सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालय पूरी सक्रियता के साथ भागीदार बन चुके हैं।

शत-प्रतिशत केंद्रीय सहयोग

तकनीक की यह इतनी बड़ी अवसंरचना छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नि:शुल्क मिली है। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय द्वारा शत-प्रतिशत तकनीकी व वित्तीय सहायता दी जा रही है, जिसके चलते राज्य सरकार पर आर्थिक भार पूरी तरह से शून्य है।

डिजीलॉकर बना सुरक्षा कवच: गुम होने का डर खत्म

अक्सर दुर्घटना या लापरवाही के कारण छात्रों की मूल अंकसूची या डिग्रियां नष्ट हो जाती थीं, जिसके बाद उन्हें यूनिवर्सिटी के चक्कर काटने पड़ते थे। अब इस समस्या का स्थायी समाधान कर दिया गया है। विश्वविद्यालयों को सीधे नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी पोर्टल से जोड़ दिया गया है, जिससे छात्र की डिग्री और सर्टिफिकेट सीधे उसके डिजीलॉकर में अपलोड हो रहे हैं। ये डिजिटल दस्तावेज कानूनी रूप से उतने ही मान्य हैं जितनी मूल हार्ड कॉपी। यानी नौकरी के इंटरव्यू में अब भारी-भरकम फाइल ले जाने की जरूरत नहीं, सिर्फ मोबाइल ही काफी है।

ग्लोबल हो रहा है छत्तीसगढ़ का युवा

इस योजना ने सुदूर वनांचल जैसे सुकमा, बीजापुर या सरगुजा के कॉलेजों को भी नेशनल पोर्टल से सीधे जोड़कर अमीर और गरीब छात्र के बीच का डिजिटल फासला पूरी तरह खत्म कर दिया है।

एबीसी आईडी के माध्यम से छत्तीसगढ़ का युवा अब सिर्फ अपने राज्य तक सीमित नहीं है। उसके क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा ने उसे पूरे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों से जोड़ दिया है।

आज का राशिफल

मेष राशि-आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपका बड़ा कार्य पूरा हो सकता है। आज आप नई व्यापारिक योजना बनाने में कामयाब होंगे। घर में मांगलिक कार्य होने की संभावना बन रही है।

वृष राशि-आपका दिन आनंद से भरपूर रहेगा। आज परिवार में आपके किए गए कार्यों की प्रशंसा होगी। आपके अपनों का पूरा साथ मिलेगा। आप मित्रों के साथ आज कहीं घूमने जा सकते हैं। आज के दिन आप घर परिवार के लिए कुछ खर्चे भी करेंगे।

मिथुन राशि-आज आप का दिन खुशहाल रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत की कला लोगों को प्रभावित करेगी। प्रगति के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन आप भाग्य के भरोसे न बैठकर परिश्रम करें।

कर्क राशि- आज आपके लिए दिन लकी रहेगा। आज आप किसी नये काम की शुरूआत कर सकते हैं। आपकी आर्थिक दशा में सकारात्मक बदलाव आएगा। आप अपने बिजनेस को नया आयाम दे पायेंगे बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आय के साधन बनेंगे।

सिंह राशि- आज आपके दिन का बेहतर शुरुआत होगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों पर आज अचानक महत्वपूर्ण जिमेदारी आ सकती है, जिसे पूरा करने में सफल होंगे। आपको उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जिससे आपको लाभ मिलेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आप अपने कारोबार में नये मुकाम हासिल करेंगे। आपके आय में वृद्धि होने के योग हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप अपनी चतुर कार्यशैली से अपने हर कार्य को पूरा कर अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

तुला राशि- आपके लिए अच्छे परिणाम लाने वाला दिन रहेगा। आज आप अपने बिजनेस की ग्रोथ के लिए योजनाएं बनाएंगे। जिससे आगे चलकर आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके घर में मांगलिक कार्य हो सकता हैं। मित्रों से आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी फैमिली लाइफ बेहतर रहेगी। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। आज आप किसी नये प्रोजेट की शुरूआत कर सकते हैं। आपको बड़ा लाभ मिलेगा। आपके बिजनेस में तेजी आएगी। आप धार्मिक कार्यों में काफी खर्च करेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने का योग है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आपके वैवाहिक जीवन में आपसी समझ और मान समान बढ़ेगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा।

धनु राशि- आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। आज आपको किसी बड़े प्रोजेट से जुड़ने का मौका मिलेगा जिसकी बहुत दिनों से आपको प्रतीक्षा थी। नौकरी में आपका ओहदा बढ़ेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आमदनी बढ़ने की अच्छी संभावना है। अधिक एसाइटमेंट से काम बिगड़ सकता है।

मकर राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक तौर पर अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आपकी कार्य योजनाएं सफल होंगी। आपके आय के साधन बढ़ने के योग हैं। इस दौरान आप पारिवारिक समारोहों पर काफी खर्च करेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा कहीं से धन लाभ के योग हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आपके पारिवारिक सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। आप एक अच्छे वातावरण का लाभ उठा पायेंगे। आपके रोजगार के साधनों में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके स्वास्थ्य में पॉजिटिव बदलाव आएगा।

मीन राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको नौकरी में अचानक लाभ की स्थिति बनेगी। आपकी मेहनत सफल होगी। आपके बच्चों को परीक्षा का बेहतर परिणाम हासिल होंगे। संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है।

अचानक कुछ खर्च बढ़ेगा। जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी डाउन होगी। लेनदेन सोच समझ कर करें। छात्रों के लिए अनुकूल समय है। करियर काउंसलर से सलाह ले सकते हैं। आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप अच्छा महसूस करेंगे। दांपत्य जीवन ठीक-ठाक रहेगा।

शब्द कौतुक

सू- दोकू क्र.074

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.073 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

सुडुको

शब्द सामर्थ्य -074

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

1		■	■	2		3	■	■
	■	4			■	5	6	
7			■		■	■		■
■	■		■	8	9			10
11		■	12	■		■	■	
	■	13		14		■	■	
	■	15			■	16		
17	18			■	19		■	
■		■	■	20			■	■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 073 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्रा
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

संक्षिप्त समाचार

12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के अभियान के तहत तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर का शुभारंभ

दुर्ग। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा 18 जून से 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय वृहद पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया है। निगम के श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शिविर का शुभारंभ ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

भारत सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना अंतर्गत थनौद के पास कालम ब्रिज की अनुमति

दुर्ग। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत थनौद क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीणों व कृषकों की दीर्घकालिक और संवेदनशील मांग को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के कुशल नेतृत्व और प्रयासों से शासन स्तर पर एक ऐतिहासिक सफलता अर्जित की गई है। थनौद में परियोजना से संबंधित कॉलम ब्रिज (पुल) के निर्माण की बहुप्रतीक्षित अनुमति भारत सरकार से प्राप्त हो गई है, जिसके तहत 35 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से 130 मीटर लंबे पुल की तकनीकी व प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इस वृहद सौगात से स्थानीय कृषकों और ग्रामीणों में हर्ष की लहर है और क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि मार्च-2026 में स्थानीय कृषकों एवं ग्रामीणों द्वारा अपनी कृषि भूमि की सुगमता और आवागमन की सुरक्षा को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी व्यावहारिक चिंताएं और सुझाव साझा किए गए थे। मामले को गंभीरतापूर्वक लेकर कलेक्टर श्री सिंह ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित व दूरदर्शी कार्रवाई की, जिसके तहत आंदोलनरत कृषकों और ग्रामीणों को स्वयं एनआईटी रायपुर ले जाया गया और शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों से उनका सीधा संवाद कराया गया। विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को पुल के तकनीकी डिजाइन, उपयोगिता और सुरक्षा मानकों को विस्तार से समझाया, जिससे ग्रामीणों का संशय पूरी तरह दूर हुआ और इसके बाद ही सर्वसम्मति से एक मजबूत प्रशासनिक प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रेषित किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया की अभूतपूर्व सफलता और ग्रामीणों की इस महत्वपूर्ण मांग को धरातल पर उतारने में कलेक्टर श्री सिंह के नीतिगत मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही, जिनके प्रयासों से 35 करोड़ रुपये की बड़ी राशि और इस वृहद तकनीकी ढांचे की स्वीकृति अत्यंत अल्प समय में संभव हो सकी। इस कार्य ने प्रशासनिक तंत्र में जनता के विश्वास को और सुदृढ़ किया है। इस कॉलम ब्रिज की स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात अब शीघ्र ही निर्माण कार्य की आगामी रूपरेखा तैयार की जाएगी, जिससे भारतमाला परियोजना के साथ-साथ स्थानीय कृषकों के हितों का भी पूर्ण संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 10 जुलाई को

दुर्ग। शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग तथा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 10 जुलाई 2026 को एक वृहद %जिला स्तरीय रोजगार मेले% का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशासनिक कार्यक्रम हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के पोटिया दुर्ग स्थित नवीन भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र के ऐसे संस्थान या नियोजक जो अपने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध रिक्त पदों को भरना चाहते हैं, वे सीधे योग्य उम्मीदवारों का चयन कर सकेंगे। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इच्छुक नियोजकों को अपने संस्थानों की रिक्तियों की जानकारी 05 जुलाई 2026 से पूर्व छत्तीसगढ़ रोजगार विभाग के आधिकारिक ई-रोजगार पोर्टल के माध्यम से जिला रोजगार कार्यालय दुर्ग को अधिसूचित करना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए नियोजकों को वेब पोर्टल पर उपलब्ध रोजगार मेला हेतु पंजीयन लिंक का उपयोग करना होगा, जिसमें संस्थान का जीएसटी नंबर तथा संबंधित वैधानिक दस्तावेज अपलोड करना आवश्यक होगा। इस पहल से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि औद्योगिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र के मध्य एक मजबूत समन्वय स्थापित होगा।

दुर्ग जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में 24 जून को होगी ग्राम सभा आयोजित

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत छूटे हुए पात्र परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए जा रहे 'आवास प्लस 2.0' अभियान के तहत आगामी 24 जून को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इन ग्राम सभाओं का मुख्य उद्देश्य आवास प्लस 2.0 की प्रारंभिक पात्रता सूची का वाचन करना, अपात्रों हितग्राही के नाम को सूची से हटाना की अनुशंसा ग्राम सभा द्वारा करना।

कल्याणी इस्पात में हादसा, करेंट से मजदूर की मौत ! 13 लाख रुपए मुआवजा देने पर रजामंदी...

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। कल्याणी इस्पात में एक बार फिर जानलेवा हदसा हुआ है । काम के दौरान करेंट की चपेट में आने से एक श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गई । मृतक अंबिका राजवार की मौत के बाद सुरक्षा साधनों में लापरवाही को लेकर श्रमिक साथियों ने हो - हल्ला मचाया । कल्याणी इस्पात के संचालक से चर्चा के बाद 13 लाख रूपये मुआवजा की घोषणा के उपरांत श्रमिकों ने शव को पोस्ट मार्टम के जाने दिया। सोमनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित कल्याणी इस्पात में आज सुबह लगभग 6.30 से 7 बजे के बीच एक हादसे में श्रमिक की मौत हो जाने से अफरा - तफरी का माहौल बन गया । श्रमिक की मौत के बाद परिजनों सहित साथी कर्मचारियों ने प्रबंधन पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर आरोप लगाये हैं । आज सुबह जैसे ही अंबिका राजवार पिता देवकी राजवार ने अपना काम शुरू किया , वह करेंट की चपेट में आ गया । श्रमिक के झुलसने के बाद

मौके पर माहौल गरम हो गया । श्रमिक को इलाज हेतु हॉस्पिटल पहुंचाया गया , जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया । परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है । परिजनों का यह भी आरोप है कि सुरक्षा इंतजाम और निगरानी व्यवस्था दुरुस्त होती तो यह हादसा नहीं होता । जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी जांच कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि घटना किन कारणों से हुई उसकी गंभीरता पूर्वक विवेचना कर कार्रवाई की जाएगी ।

जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग ,नौकरी और मुआवजा भी मांगा

कल्याणी इस्पात जानलेवा हादसे के बाद परिजनों ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग के साथ ही मुआवजे के लिए भी आवाज बुलंद की । साथ ही अन्य कर्मचारियों ने हादसे के लिए जिमेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की । सूत्र बताते हैं कि 13 लाख रूपये मुआवजा देने की बात प्रबंधकों ने की है । अंतिम संस्कार के लिए भी राशि दी गई है ।

मनगटा स्थित रिज़ॉर्ट के समीप बाथरूम में गिरी युवती की मौत

दोस्तों के साथ रायपुर से लौटते पहुंचे थे मनगटा.....

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। अपने मित्रों के साथ रायपुर से लौटते हुए सोमनी रिसॉर्ट पहुंची युवती की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई । मित्रों के दल में दो युवतियां तथा छह युवकों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है । मृतका मुस्कान तिवारी भिलाई 3 की रहने वाली थी । बताया जाता है कि वह विसलिंग वुड रिसॉर्ट के समीप बाथरूम में गिर जाने से चोटग्रस्त हो गई थी ।

सोमनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मनगटा पर्यटन केंद्र के विसलिंग वुड रिसॉर्ट के समीप बाथरूम में गिर जाने से घायल युवती की मौत हो गई । यह जानकारी मिली है कि युवक और युवतियों का एक दल किसी आयोजन में रायपुर गया था । वापस लौटते समय उन लोगों ने मन गटा जाने का मन बनाया । सभी लोग विसलिंग वुड रिसॉर्ट के समीप पहुंचे थे , तभी मुस्कान तिवारी (24) निवासी भिलाई 3 बाथरूम गई । वह बाथरूम के गिर पड़ी । साथियों ने उसे इलाज हेतु

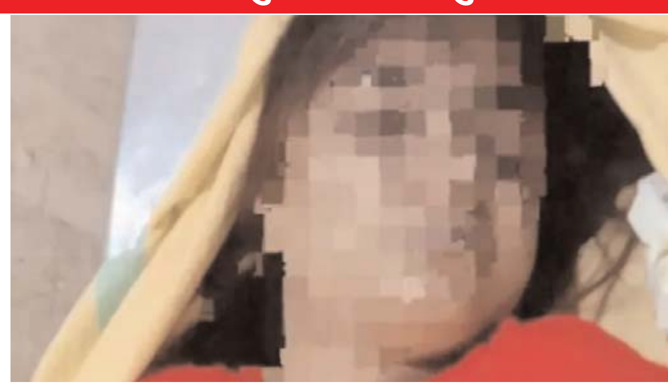

रिसॉर्ट संचालक भी टीम में था शामिल

मनगटा स्थित रिज़ॉर्ट के समीप हुई युवती की मौत किन कारणों से हुई इसकी तहकीकात जारी है । यह जानकारी भी निकलकर आ रही है कि युवक -युवतियों के दल में खुद रिसॉर्ट संचालक युवक भी शामिल था । बहरहाल पुलिस ने पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है ।

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया , जहां उपस्थित चिकित्सक ने परीक्षण कर मौत की पुष्टि की । पुलिस सूत्रों की मानें तो युवक -युवतियों का दल रात 3 बजे के लगभग घटना स्थल के समीप पहुंचे थे । बताया जाता है कि युवक - युवतियां भिलाई और रायपुर निवासी हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिन दोस्तो के दल ने अपने साथी को खोया है , उसमें दो युवतियां और छह युवक शामिल थे । किसी प्रकार की शंका - आशंका से इंकार नहीं किया जा रहा है । मौत के कारणों का खुलासा पोस्ट मार्टम रिपोर्ट से हो पाने की उम्मीद बताई गई है । सवाल यह भी उठ रहा है कि रायपुर से लौटते हुए मृतका अपने शहर भिलाई में ही क्यों नहीं उतरी । किस तरह के आयोजन में मित्र शामिल हुए थे , इसकी भी पड़ताल की जा रही है ।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

भिलाई निवासी युवती की संदिग्ध स्थिति में हुई मौत के बाद मौके पर पुलिस अधिकारियों ने दस्तक दी । अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर ने बताया कि उनके साथ मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन , सोमनी थाना प्रभारी तथा लालबाग थाना प्रभारी भी पहुंचे । पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज लिए हैं । जांच जारी है ।

बिजली विभाग की वसूली फूल और जनता के घरों की बत्ती गुल : आसिफ

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। कांग्रेस नेता आसिफ अली ने प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती और बढ़ते बिजली बिलों को लेकर भाजपा सरकार और विद्युत विभाग पर तीखा हमला बोला है। आसिफ अली ने तंज कसते हुए कहा कि आज राज्य में एक नया ट्रेंड चल रहा है बिजली विभाग की वसूली फुल, और जनता के घरों की बत्ती गुल! आसिफ अली ने आंकड़ों का हवाला देते हुए आगे कहा कि जो छत्तीसगढ़ खुद को पावर सरप्लस राज्य कहता है, वह आज खुद अंधेरे से जूझ रहा है। प्रदेश के पावर प्लांट्स की कुल विद्युत क्षमता 30 हजार मेगावाट है, जिसमें अकेले ताप विद्युत संयंत्रों की क्षमता 24 हजार मेगावाट है। इसके बावजूद, दूसरे राज्यों को बिजली बेचने वाले छत्तीसगढ़ में खुद अपने ही लोगों के लिए बिजली न सिर्फ महंगी है, बल्कि इसके दर्शन भी दुर्लभ हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के कर्मचारी बिल वसूलने में तो सुपरफास्ट हैं, लेकिन निर्बाध सप्लाई के मामले में पैसेंजर ट्रेन बन जाते हैं। आसिफ अली ने कहा कि देश के टॉप कोयला और बिजली उत्पादक राज्य में घरेलू दरों में लगातार बढ़ोतरी कर जनता को लूटा जा रहा है। इस संकट के पीछे बड़े खेल की आशंका जताते हुए आसिफ अली ने कहा कि एक तरफ जनता अघोषित कटौती से परेशान है, तो दूसरी तरफ भाजपा नेता पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का फॉर्म लेकर घरों की ओर दौड़ रहे हैं। आसिफ अली ने सीधा सवाल उठाया कि जनता यह नहीं समझ पा रही है कि यह रोज-रोज का अंधेरा वाकई कोई तकनीकी खराबी है या फिर कंपनियों के सोलर चमकाओ अभियान को सुपरहिट बनाने की सोची-समझी प्लानिंग! अंत में, आसिफ अली ने सरकार से मांग की है कि बिजली दरों की समीक्षा कर जनता को महंगी दरों से राहत दी जाए और प्रदेश में निर्बाध व सस्ती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

बीएसपी में लोहा चोरी पर विधायक रिकेश का बड़ा अभियान, सीएम से आज चर्चा, कल होंगे दिल्ली रवाना

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई नगर। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र में लंबे समय से सामने आती रही लोहा चोरी और अवैध कबाड़ कारोबार की शिकायतों को लेकर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक सेन आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे नई दिल्ली जाकर केंद्रीय इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी को विस्तृत ज्ञापन सौंपेंगे।

राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा को बनाया जनहित का मुद्दा

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि देश की आर्थिक शक्ति, लाखों परिवारों की आजीविका और छत्तीसगढ़ की पहचान का प्रतीक है। ऐसे में संयंत्र की संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले कई दशकों से समय-समय पर लोहा चोरी और अवैध कबाड़ कारोबार से जुड़े गंभीर आरोप सामने आते रहे हैं इसलिए इन सभी मामलों की निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच आवश्यक है।

स्थानीय नेटवर्क और कथित मिलीभगत की जांच की मांग

विधायक सेन ने मांग की है कि जांच एजेंसियां उन सभी पहलुओं की पड़ताल

करें जिनमें स्थानीय प्रभावशाली तत्वों, राजनीतिक संरक्षण, सुरक्षा तंत्र तथा संबंधित अधिकारियों की संभावित भूमिका को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर मिलीभगत या संरक्षण के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। जांच का उद्देश्य केवल दोषियों की पहचान नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना भी होना चाहिए।

चुनावी वित्तपोषण को लेकर उठे गंभीर प्रश्न

विधायक सेन ने यह भी कहा कि क्षेत्र में लंबे समय से यह चर्चा और आरोप सामने आते रहे हैं कि अवैध कारोबार से उत्पन्न कथित काले धन का उपयोग चुनावी गतिविधियों को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने मांग करी है कि जांच एजेंसियां इस पहलू की भी निष्पक्ष जांच करें ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कहीं राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर अर्जित अवैध धन का उपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने में तो नहीं किया गया।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को भी भेजेंगे पत्र

रिकेश सेन ने बताया कि वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी विस्तृत पत्र भेज रहे हैं। पत्र में भिलाई इस्पात संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने, निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग

विधायक सेन ने सुझाव दिया कि संयंत्र परिसर में अत्याधुनिक डिजिटल सर्विलांस सिस्टम, जीपीएस आधारित ट्रैकिंग, ई-ऑडिट व्यवस्था और स्वतंत्र निगरानी तंत्र विकसित की जाए, इससे चोरी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

जनता की संपत्ति बचाने की मुहिम

विधायक सेन ने कहा कि यह केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित का मुद्दा है। भिलाई इस्पात संयंत्र की संपत्ति देश की जनता की संपत्ति है और उसकी रक्षा करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य और केंद्र सरकार के सहयोग से इस विषय पर प्रभावी कार्रवाई होगी तथा भिलाई इस्पात संयंत्र को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों पर कठोर नियंत्रण स्थापित किया जाएगा।

निर्माणाधीन पानी टंकी, सफाई व्यवस्था और ई-लाइब्रेरी का निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं जनसुविधा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नवनिर्मित उच्च क्षमता वाले जलागार, सड़कों की सफाई व्यवस्था, अवैध रूप से सड़क पर रखे गए बिल्डिंग मटेरियल तथा ई-लाइब्रेरी का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने वार्ड-42 गौतम नगर स्थित सड़क क्रमांक-51 में नवनिर्मित उच्च क्षमता वाले जलागार का निरीक्षण किया, इस दौरान पार्षद श्याम सुंदर राव भी उपस्थित रहे। आयुक्त ने कहा है प्राथमिकता के साथ क्षेत्रवासियों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। निरीक्षण के दौरान बालाजी नगर में कई स्थानों में सड़क पर निर्माण सामग्री पाया गया, आयुक्त ने संबंधित मकान मालिकों को तत्काल सामग्री हटाने की चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क पर मटेरियल रखने से यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों को परेशानी होती है। निर्धारित समय में सामग्री नहीं हटाने पर संबंधित व्यक्तियों पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। सुभाष नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने बरसात के दौरान सड़कों पर जलभराव की समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यक तकनीकी उपाय तत्काल करने के निर्देश दिए, जिससे सड़कों को नुकसान से बचाया जा सके। इसके अलावा आयुक्त ने क्षेत्र में संचालित होने वाली ई-लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाइब्रेरी के व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों एवं युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ और बेहतर मिल सके। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, उप अभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, राजस्व निरीक्षक विजेंद्र परिहार, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजेन्द्र पार्क में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ, केन्द्र सरकार की 12 वर्षों की अभूतपूर्व उपलब्धियों को किया गया प्रदर्शित

पद्मश्री आर.एस. बारले ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

एलईडी के माध्यम से शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की दी जा रही विस्तृत जानकारी

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के गौरवमयी 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा दुर्ग के प्रतिष्ठित राजेन्द्र पार्क में तीन दिवसीय भव्य फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस गरिमामयी प्रदर्शनी का शुभारंभ पद्मश्री श्री

राधेश्याम बारले के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद श्री विजय बघेल, महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, विधायक श्री ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, श्री सुरेन्द्र कौशिक तथा संभागायुक्त श्री सत्यनारायण राठौर सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रदर्शनी का आत्मीय अवलोकन किया।

शुभारंभ के पश्चात सभी अतिथियों एवं आमजनों ने देश के विभिन्न ऐतिहासिक विकास कार्यों, जनकल्याणकारी नीतियों एवं राष्ट्रीय गौरव की उपलब्धियों पर आधारित जीवंत छायाचित्रों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और जल जीवन मिशन के साथ-साथ केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रालोन और स्टार्टअप इंडिया को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। साइंस एवं टेक्नोलाजी, डिजिटल अभियान, 3 करोड़ लखपति दीदी, युवा शक्ति, मुफ्त राशन, 9 करोड़ लाभार्थियों का पोषण क्रय, आस्था के धाम अंतर्गत अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जैसी उपलब्धियों को फोटो प्रदर्शनी में डिस्पले किया गया है।

महिला आयोग की जनसुनवाई में महत्वपूर्ण फैसले, मोबाइल मुआवजा, डीएनए टेस्ट और सेवा समाप्ति की अनुशंसा

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं प्रभारी सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया ने दुर्ग स्थित प्रेरणा सभा कक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की जनसुनवाई की। आयोग की 399वीं प्रदेश स्तरीय एवं दुर्ग जिले की 15वीं सुनवाई में दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के कुल 50 प्रकरणों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान आयोग ने कई महत्वपूर्ण मामलों में निर्णय और अनुशंसाएं जारी कीं। एक मामले में खराब मोबाइल फोन से संबंधित शिकायत पर आयोग ने आवेदिका को उपभोक्ता फोरम में मोबाइल की पूरी कीमत, नया मोबाइल तथा डेढ़ वर्ष की मानसिक क्षतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत करने की सलाह दी। एक अन्य प्रकरण में शासकीय सेवा में रहते हुए द्विविवाह के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर आयोग ने संबंधित दो शासकीय कर्मचारियों की सेवा समाप्ति की अनुशंसा जिला प्रशासन को भेजने का निर्णय लिया। सुनवाई के दौरान एक लंबे समय से लंबित पारिवारिक विवाद में आयोग की पहल पर आवेदिका को एक लाख रुपये नगद एवं विवाह में दिया गया सामान वापस दिलाया गया।

सारे घाट हैं ! खुले.,कागजों में बंदिशें..सुबह कार्रवाई शाम को.,फिर से माफ़िया राज़

महानदी पर रेत की चोरी थम नहीं रही। माफ़िया को एलर्ट करने के लिए ही छापेमारी। सरकार-सिस्टम की ढुलमुल नीति के चलते फलफूल रहा ,यह गोरखधंधा।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी (सुनील शर्मा)। कागजों में 14 जून से रेत खनन पर लागू है, बंदिशें । लेकिन यह पूरी तरह कारगर नहीं है। बरसात के सीजन को देखते हुए सभी रेत घाटों पर खनन गतिविधियां थम जानी चाहिए। लेकिन महानदी के घाटों पर..यह तस्वीर बिल्कुल उलट नजर आती हैं। दिन हो या रात .. महानदी के भीतर मशीनें चल रही .. बेख़ौफ़ हैं माफिया।रेत की अवैध निकासी भी जारी है। गौरतलब है कि लोकमाया टीम ने धमतरी, कुरूद , मगरलोड व नगरी क्षेत्र में कोलियरी, अछोटा, लीलर,अमेठी ,सारंगपुरी ,देवपुर से लेकर से मेघा ,डाभा ,सेलदीप,परखंदा ,किशोरा हसदा और अन्य घाटों का जायजा लिया। तमाम घाटों पर नदी के भीतर तक जाने के लिए बकायदा रैंप और रास्ते बने हुए मिले। मौके पर भारी वाहनों के टायरों के ताजा निशान भी दिखाई दिए।जेसीबी व पोकलेन मशीनों के गरजने की आवाजें सुनाई दीं। प्रतिबंध के बावजूद खनन व संचालन के साफ संकेत दिखाई दिए।

सियासतदानों का है ,वर्चस्व

दरअसल एक बार फिर चर्चा में है..रेत। रेत की लूट मची हुई है । इससे होने वाली मोटी कमाई के चलते ही महानदी पर रेतघाटों में सिंडिकेट खड़े हो गए हैं। इस कारोबार में सियासत की मौजूदगी अपना एहसास भी कराती हैं। अमूनन हर घाट पर सियासतदां ! का वर्चस्व है। खनन किंग बाजार में रेत का रेट तय करते हैं।इसका ही असर है कि रेत की कीमतें भी लगातार बढ़ती जा रहीं। कहने को तो बारिश में(14जून - 14अक्टूबर)वैध घाट बंद हो जाने चाहिए ..बावजूद इसके बाजार व दिगर जिलों -स्टेट में रेत की सप्लाई जारी है.. और आसमान छू रही हैं।

जारी है, वाहनों की आवाजाही

घाटों से ट्रैक्टर और हाइवा लगातार रेत भरकर निकल रहे हैं, जिसे सीधे डंपिंग स्थलों तक पहुंचाया जा रहा है। अवैध खनन की पुष्टि के लिए देवपुर ,खरेंगा घाट से निकलने वाले हाइवा, डम्फर , ट्रक व ट्रैक्टर को ट्रैक किया।एक - दो वाहन सीधे चिन्हित डंपिंग यार्ड पहुंचा, जहां रेत खाली की गई। वहीं अधिकांश रेत लदे वाहन शहर सीमा से बाहर निकलते दिखाई दिए।मौके पर मौजूद चालकों ने नियमित रूप से घाट से दीगर जिलों व स्टेट में रेत परिवहन होने की जानकारी दी।सूत्रों के मुताबिक खपने वाली करीब 90 फीसद रेत धमतरी व कुरूद से निकल रही हैं..।

ज्यादातर शिकायतें..सियासी

उल्लेखनीय रहे कि रेत को लेकर खनिज विभाग को अक्सर शिकायतें मिल रही है। ज्यादातर शिकायतें राजनीतिक होती है। पंचायत के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों के बीच विवाद होने की वजह से शिकायतें ज्यादा होती है। पूर्व पदाधिकारी रेत घाट पर कब्जा चाहते हैं जबकि नए पदाधिकारी खुद चलाने की इच्छा रखते हैं। नियमानुसार रेत घाट का संचालन पंचायत के निर्वाचित बॉडी को करना होता है।निर्माण कार्य के लिए जरूरी रेत की कमी को पूरा करने के लिए जिले में ज्यादातर घाटों से वाहनों में चोरी की रेत सप्लाई की जा रही है।

विनाश के कगार पर.. महानदी

अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सरकार के निर्देश केवल कागजों तक सीमित हैं। जमीनी हकीकत यह है कि कार्रवाई महज दिखावा बनकर रह गई है। रेत माफिया, महानदी के सीने को छलनी कर रहे। नतीजा, सरकार को करोड़ों रु का नुकसान हो रहा, पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है, सो अलग। बहरहाल रेत माफिया का बेखौफ होकर काम करना इस बात का संकेत है कि कहीं न कहीं सिस्टम और सियासी संरक्षण मिल रहा है। खनन माफिया, स्थानीय नेता और नौकरशाहों की सांठगांठ के चलते विनाश के कगार पर है..चित्रोपला। बहरहाल कई इलाकों में रेत खनन निकासी धड़ल्ले से जारी है। खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन पर सवाल इसलिए उठना लाज़िमी है, क्योंकि दिन में कार्रवाई दिखाने के बाद रात को फिर चालू हो जाते हैं, रेत घाट । लगता है जैसे सिस्टम में बैठे जिम्मेदार सिर्फ माफिया को एलर्ट करने ही छापेमारी करते हैं, ताकि कुछ देर गतिविधि रोक दें ..और काम पर लग जाए..फिर नए जोश के साथ।

संक्षिप्त समाचार

जिले के 115 छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

महासमुंद। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित जिले के छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ किया गया है। जिले के ग्रामीण, अभावग्रस्त एवं पलायन प्रभावित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित आवास तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्रीमती शिल्पा साय ने बताया कि जिले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कुल 115 छात्रावास एवं आश्रम संचालित हैं। इनमें 24 आश्रम शालाएं, 78 प्री-मैट्रिक छात्रावास तथा 13 पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास शामिल हैं।प्रवेश हेतु निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर की आश्रम शालाओं तथा प्री-मैट्रिक छात्रावासों में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रावासों के लिए 10 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इन संस्थाओं में विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास, भोजन, पौष्टिक नाश्ता, अध्ययन सामग्री, गणवेश, ट्रैक सूट, जूते-मोजे सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून को ग्राम सभा आयोजित

महासमुंद। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभा की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से तैयार स्थायी प्रतीक्षा सूची का सार्वजनिक पठन एवं अवलोकन किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत में सूची का प्रदर्शन कर ग्रामीणों के समक्ष उसका वाचन किया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी। ग्राम सभा में प्राप्त दावे-आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण किया जाएगा। ग्राम सभा से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद अंतिम सूची आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड की जाएगी। साथ ही विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने ग्रामीणों से ग्राम सभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गांव के विकास एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

आपदा पीड़ित परिवारों को 8 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार। प्राकृतिक आपदा से मृत दो व्यक्ति के निकट परिजन प्रत्येक के लिए 4 लाख के मान से 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजन लहाराम साहू पिता कनकराम साहू, निवासी ग्राम कोयदा, तहसील लवन एवं कामिनी बाई मानिकपुरी पति चिंताराम मानिकपुरी, निवासी ग्राम परसापाली, तहसील लवन क़ी नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी।

पीएम जनमन अंतर्गत पुस्तिका का विमोचन

महासमुंद। छतीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह कमार, पहाड़ी कोरबा, अबुझमाड़िया, बैगा बिरहोर जनजातीय समूह की बसाहटें पात्र पाई गई हैं, जिनमें भारत सरकार द्वारा 872 बसाहटों के लिए 2902 किलोमीटर की 807 सड़कों के लिए 2007 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। पीएम जनमन के अंतर्गत देश में छत्तीसगढ़ को सर्वाधिक स्वीकृति मिली है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा क्रियान्वित प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति को बेहतर बनाने की दिश में सार्थक पहल की गई है।

---

1 जुलाई से., आगाज़- ए- वीबी-जी राम जी

समीक्षा बैठक। विकसित भारत-रोजगार गारंटी 1जुलाई से लागू होगा। जिपं सीईओ ने तैयारी करने के दिए निर्देश ।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी ।जिला पंचायत सभाकक्ष में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की एजेंडावार समीक्षा बैठक जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 1 जुलाई से लागू होने जा रहे विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण 2025 पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। योजना के उद्देश्य, काम करने का तरीका, ग्रामीण रोजगार और आजीविका बढ़ाने से जुड़े प्रावधान बताए गए।

सीईओ ने जल-दूत एप से जल संरचनाओं की प्रविष्टि और निगरानी की समीक्षा की। हर ग्राम पंचायत में कम से कम एक बड़े धरसा के चिन्हांकन और मूल्यांकन की प्रगति भी देखी गई। जिले में अभिसरण से किए गए नवाचारों और श्रेष्ठ कामों पर चर्चा हुई। योजना लागू करने से पहले तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा में स्वीकृत कार्यों की स्थिति की जानकारी ली गई। युक्ताधारा, ग्राम सभा, ई-केवाईसी, लंबित कामों पर चर्चा हुई। जल संरक्षण और संवर्धन के कामों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। डबरी, तरिया, अन्य जल संरचनाओं के निर्माण और पूर्णता की जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया।

आवास योजना पर बल

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अप्रारंभ आवासों को बरसात से पहले प्लिंथ स्तर तक पूरा कराने के निर्देश दिए गए। जिन आवासों की दूसरी किश्त जारी हो चुकी है, ऐसे लिंटल और छत स्तर के आवास 16 जुलाई तक पूरा कराने को कहा गया। छत-पूर्ण आवास इस माह के अंत तक पूरा कराने कहा । पी एम जनमन आवास और मुख्यमंत्री आवास योजना के आवासों को विशेष प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया । हितग्राही को होने वाली समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आकाशीय बिजली का कहर : धमतरी में 39 भेड़ों और बकरियों की मौत

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 40 बेजुबान पशुओं की मौत हो गई. बुधवार देर रात तेज गरज चमक और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 39 भेड़ों और एक बकरे की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे में पशुपालक को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है.

धमतरी जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डूमरपाली गांव का है. यहां स्थित नर्सरी परिसर में राजस्थान से आए भेड़ पालक अपने भेड़-बकरियों के साथ अस्थायी डेरा डालकर रुके हुए थे. बुधवार की रात मौसम अचानक बदल गया और तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई. इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में बड़ी संख्या में भेड़-बकरियां आ गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिजली गिरने की घटना इतनी अचानक हुई कि पशुपालकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. गुरुवार सुबह जब आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो बड़ी संख्या में पशुओं को मृत अवस्था में देखकर स्तब्ध रह गए. देखते ही देखते घटना की खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

राजस्थान से आए पशुपालक को लाखों का नुकसान

बताया जा रहा है कि मृत पशुओं में 39 भेड़ें और एक बकरा शामिल हैं. एक साथ 40 पशुओं की मौत से राजस्थान से आए पशुपालक को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है. पशुपालन ही उसकी आजीविका का मुख्य साधन है, ऐसे में इस हादसे ने उसे गहरा झटका दिया है. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार पशुपालक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रातभर तेज गर्जना और बिजली कड़कने का सिलसिला जारी रहा. बारिश के बीच अचानक गिरी आकाशीय बिजली ने पशुओं को अपनी चपेट में ले लिया. घटना के बाद पूरे गांव में शोक और चिंता का माहौल है. स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

इधर, मगरलोड थाना प्रभारी प्रमोद अमलतास ने बताया कि पशुओं की मौत की सूचना अभी तक थाने में आधिकारिक रूप से प्राप्त नहीं हुई है. सूचना मिलने पर आवश्यक जांच और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिले के 80 प्रतिशत खातों का डिजिटलीकरण कार्य पूर्ण

बलौदाबाजार, (लोकमाया)। राज्य शासन के निर्देशानुसार किसानों को भूमि संबंधी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल किसान किताब और डिजिटल ऋण पुस्तिका की शुरुआत जिले में की गई की गई है।यह पारंपरिक कागजी किसान किताब के स्थान पर डिजिटली उपलब्ध हो रही हैं जिससे किसानों को कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल रही है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में अब तक जिले के 80 प्रतिशत खातों का डिजिटलीकरण कार्य पूर्ण हो गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 12 लाख खातधारको का डिजिटल किसान किताब बनाया जाएगा जिसमें से 80 प्रतिशत खातों में डिजिटल किसान किताब बन गये हैं। डिजिटल किसान किताब पूर्णत: सुरक्षित हैं और ख़राब या नष्ट होने की कोई गुंजाईश नहीं हैं।किसान अपनी भूमि का पूरा विवरण भुइयां पोर्टल से कहीं से भी और कभी भी डाउनलोड कर सकते है। भुइयां पोर्टल पर जाकर खसरा विवरण पर क्लिक कर डिजिटल किसान किताब डाउनलोड कर सकते हैं। इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा समय-समय पर गांवों में शिविर आयोजित कर डिजिटल किसान किताब का वितरण भी किया जा रहा है।

कृषकों को धान के बदले फसल विविधीकरण को मिलेगा बढ़ावा

लोकमाया न्यूज ।

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राज्य के कृषि परिदृश्य को बदलने और किसानों की आर्थिक उन्नति के लिए कृषक उन्नति योजना के नवीन स्वरूप को मंजूरी दी है। इस ऐतिहासिक नीति के तहत, अब खरीफ सीजन से परंपरागत धान की खेती छोड़कर वैकल्पिक फसलें उगाने वाले किसानों को 15 हजार रुपए प्रति एकड़ की इनपुट सहायता (आदान प्रोत्साहन राशि) प्रदान की जाएगी। सरकार का यह कदम धान पर राज्य की पारंपरिक निर्भरता को कम करने, जल संकट से निपटने और भूमि की सेहत सुधारने की दिशा में एक क्रांतिकारी शुरुआत माना जा रहा है।

विभाग के अनुसार यदि कोई कृषक अपने पंजीकृत रकबे में धान के स्थान पर कम पानी वाली और उच्च मूल्य वाली फसलों का चयन करता है, तो उसे योजना का सीधा लाभ मिलेगा।शामिल की गई प्रमुख फसलें अरहर, उड़द, मूंग,सोयाबीन, मूंगफली, तिल, कोदो, कुटकी, रागी (मोटा अनाज), -मक्का और कपास हैं।

सरकार ने योजना में पारदर्शिता और वास्तविक किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल तंत्र को अनिवार्य किया है। एकीकृत किसान पोर्टल सभी इच्छुक किसानों को तय समय-सीमा के भीतर इस पोर्टल पर अपनी भूमि और प्रस्तावित फसल का ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।डिजिटल फसल सर्वेक्षण राजस्व और कृषि विभाग द्वारा सेटेलाइट या गिरदावरी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसान ने वास्तव में धान के बदले स्वीकृत फसल ही बोई है। एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत ऐसे समस्त कृषक जो विगत खरीफ में धान फसल की खेती किये थे, जिन्होने आगामी खरीफ में धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसल लेने हेतु पंजीयन कराया हो। विधिक व्यक्तियों यथा ट्रस्ट,मण्डल,प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी, शाला विकास समिति,केन्द्र,राज्य शासन की संस्थान,महाविद्यालय आदि समस्थाओं को योजना से लाभ लेने की पात्रता नहीं होगी।

नैनो यूरिया और डीएपी से सुधरी मिट्टी की सेहत

लोकमाया न्यूज ।

बलौदाबाजार। जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत आने वाले ग्राम गुडेलिया के प्रगतिशील किसान हीरा सिंग ध्रुव क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए एक नई मिसाल बनकर उभरे हैं। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाते हुए उन्होंने पिछले वर्ष से अपने खेतों में रासायनिक खाद की जगह नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग शुरू किया । नैनो उर्वरकों के उपयोग से हीरा सिंग ध्रुव के खेतों में फसल का उत्पादन न केवल शानदार रहा, बल्कि फसलों की गुणवत्ता में भी भारी सुधार देखने को मिला है।

हीरा सिंग ध्रुव बताते हैं कि यह अत्याधुनिक नैनो उर्वरक न केवल बाजार में मिलने वाली रासायनिक बोरियों वाली खाद की तुलना में बेहद सस्ते हैं, बल्कि इनका परिवहन और खेतों में छिड़काव करना भी बहुत आसान है। इससे खेती की लागत में भारी कमी आई है और समय व मेहनत की भी बचत हुई है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन लिक्विड उर्वरकों के संतुलित उपयोग से उनकी जमीन की सेहत सुधरी है और मिट्टी की उर्वरा शक्ति में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इस बेहतरीन परिणाम से उत्साहित होकर किसान हीरा सिंग ध्रुव ने जिले और प्रदेश के सभी किसान भाइयों से विशेष अपील की है कि वे भी रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग को छोड़कर नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को अनिवार्य रूप से अपनाएं, ताकि कम लागत में बेहतर मुनाफा कमाया जा सके और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को भी सुरक्षित रखा जा सके।

राजस्व मंत्री ने किया फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष की उपलब्धियों को बताया ऐतिहासिक

बलौदाबाजार। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा 16 से 18जून 2026 तक नगर भवन बलौदाबाजार में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी लगाई गई।राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने गुरुवार को फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, जनपद उपाध्यक्ष सुमन वर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महले,सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, टेसूलाल धुरंधर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष की उयलब्धियों को ऐतिहासिक बताते हुए देश को नई दशा और दिशा देने वाला कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्ष में देश में अधोसंरचना विकास से लेकर आर्थिक एवं तकनीकी सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। गरीबों को पक्के मकान,शौचालय, आयुष्मान कार्ड,लखपति दीदी, किसान सम्मान जैसे अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी एवं जनहितकारी नेतृत्व में संचालित योजनाओं में छत्तीसगढ़ के विकास तथा प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है, जिसे फोटो प्रदर्शनी में संजोया गया है। विभिन्न आयामों में किए गए कार्यों को फोटो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। एलईडी के माध्यम से शासन की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। फोटो प्रदर्शनी में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए किए गए कार्यों को भी प्रदर्शित किया गया है जिसमें हम बनाते हैं स्वदेश हथियार अंतर्गत करीब 38400 करोड़ रूपए का रिकार्ड डिफेंस एक्सपोर्ट की जानकारी दी गई है। गरीब कल्याण अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 4 करोड़ पक्के आवास का निर्माण, 12 सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण, अधोसंरचना क्रांति अंतर्गत विश्व का सबसे ऊर्जा चिनाब रेलवे ब्रिज, समुद्र पर बना अटल सेतु, राष्टीय राजमार्ग नेटवर्क का 1.46+ लाख किमी तक विस्तार और वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरूआत की गई है। साइंस एवं टेक्नोलाजी, डिजिटल अभियान, 3 करोड़ लखपति दीदी, युवा शक्ति, मुफ्त राशन, 9 करोड़ लाभार्थियों का पोषण क्रय, आस्था के धाम अंतर्गत अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जैसी उपलब्धियों को फोटो प्रदर्शनी में दिखाया गया है

अवैध शराब परिवहन पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, 376 लीटर मदिरा और दो वाहन जब्त

महासमुंद, (लोकमाया)। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा परिवहन एवं भण्डारण पर आबकारी विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी श्री अजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में 16 एवं 17 जून को अवैध मदिरा के परिवहन और भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। इस दौरान टीम द्वारा तीन गैर-जमानती प्रकरण दर्ज किए गए, एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जबकि दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। आबकारी विभाग की टीम ने महासमुंद शहर क्षेत्र में गश्त के दौरान 120 लीटर विदेशी मदिरा माल्ट तथा एक चारपहिया वाहन (सुजुकी रिट्ज) जब्त किया। वहीं बागबाहरा क्षेत्र के ग्राम खुडमुड़ी घाट से ओड़िशा निर्मित 280 पाउच मदिरा (56 लीटर) एवं एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया। इसके अलावा ग्राम खेमड़ा घाट से ओड़िशा राज्य निर्मित 1000 पाउच मदिरा (200 लीटर) जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 376 लीटर अवैध मदिरा एवं दो वाहन जब्त किए गए, जिनका अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 39 हजार 600 रुपये है।

संक्षिप्त समाचार

जनपद पंचायत दरभा में नरेगा और पीएम आवास योजना की सामाजिक अंकेक्षण संबंधी हुई बैठक

जगदलपुर। विकास और प्रशासनिक पारदर्शिता को गति देने के उद्देश्य से आज जनपद पंचायत दरभा में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तोकापाल, श्री शंकर लाल सिन्हा की अध्यक्षता में सामाजिक अंकेक्षण संबधी बैठक में जनपद पंचायत दरभा के अंतर्गत आने वाली समस्त 46 ग्राम पंचायतों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से उन आपत्तियों और महत्वपूर्ण सुझावों पर बिंदुवार चर्चा की गई जो पूर्व में आयोजित ग्राम सभाओं के माध्यम से प्राप्त हुए थे। इन सभी तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं का उपस्थित विभागीय अधिकारियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा आपसी समन्वय से मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता को और मजबूत किया जा सके। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दरभा श्री बीरेंद्र बहादुर, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, विकासखंड समन्वयक (आवास) और तकनीकी सहायकों सहित सभी 46 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी श्री शंकर लाल सिन्हा ने सामाजिक अंकेक्षण से निकले निष्कर्षों के आधार पर कड़ी और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी शासकीय योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित किया जाए और सभी विभाग आपसी तालमेल बनाकर हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दोनों महत्वाकांक्षी योजनाओं के सफल संचालन तथा ग्रामीणों को समयबद्ध तरीके से उनका हक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का साझा संकल्प लिया।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 22 जून से 02 जुलाई 2026 तक

बीजापुर। निजी क्षेत्र के संस्थान कैप्टन सर्विसेस लिमिटेड हैदराबाद (टीएस) द्वारा सिक्यूरिटी गार्ड एवं सिक्योरिटी सुपरवाईजर पदों पर कौशल प्रशिक्षण उपरांत नियोजन किये जाने हेतु ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शिक्षित बेरोजगार ईच्छुक युवकों के लिए पंजीयन शिविर 22 जून 2026 को थाना भैरमगढ़, से शुरू हो रहा है। इसी तरह 23 जून को थाना भोपालपटनम, 24 जनू को थाना उसूर, 30 जून को थाना कोतवाली बीजापुर एवं 02 जुलाई 2026 को थाना गंगालूर में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक युवा सम्पूर्ण दस्तावेजों के साथ अपने-अपने क्षेत्र के थाना में आयोजित शिविर में भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 9826641162 एवं 9059960343 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नक्सल हिंसा में आम नागरिकों के मृत्यु होने पर मृतकों के परिजनों को 10 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद पुनर्वास नीति के तहत नक्सली पीड़ित व्यक्तियों, परिवारों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को पर्याप्त सुरक्षा एवं पुर्नवास के तहत नक्सली हिंसा में आम नागरिकों के मृत्यु होने पर मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रूपए कुल 10 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

नवीन प्राथमिक शाला भवन से कोत्तागुड़ा के नौनिहालों को मिली बेहतर शिक्षा सुविधा

बीजापुर। ग्राम पंचायत अंगमपल्ली के आश्रित ग्राम कोत्तागुड़ा में नवीन प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने से बच्चों को अब बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो गया है। पहले जर्जर एवं स्लैबयुक्त पुराने भवन में संचालित विद्यालय के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अंगमपल्ली में जिला खनिज संस्थान न्यास निधि (डीएमएफ) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 लाख रुपये की लागत से नवीन प्राथमिक शाला भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। जनपद पंचायत भोपालपटनम द्वारा विद्यालय भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजा गया था। पूर्व में विद्यालय भवन की कमी के कारण कक्षा पहली से पांचवीं तक के लगभग 25 विद्यार्थियों की पढ़ाई एक ही अतिरिक्त कक्ष में संचालित होती थी। वहीं बारिश के दिनों में जर्जर शीट से पानी टपकने के कारण बच्चों और शिक्षकों को काफी परेशानी होती थी। जिला प्रशासन की पहल से अब नवीन विद्यालय भवन का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए उपयुक्त एवं सुविधायुक्त वातावरण प्राप्त हुआ है। भवन निर्माण पूर्ण होने पर ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती चिनक्का कुंजाम एवं प्रधान अध्यापक ने बताया कि अब कक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से हो रहा है तथा छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

कलेक्टर ने लिया नशा मुक्ति केन्द्र का जायजा

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति केन्द्र का जायजा लिया। कलेक्टर ने धरमपुरा क्षेत्र में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में व्यवस्थाओं का अवलोकन कर हितग्राहियों से उनके स्वास्थ्य में हो रही सुधार, उनके दैनिक गतिविधियों के संबंध चर्चा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, एसडीएम जगदलपुर ऋषिकेश तिवारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सुचिता लकड़ा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

बारिश के बीच कॉमन सर्विस सेंटर पहुंचे कलेक्टर, किसान एवं एग्रीस्टैक पंजीयन का लिया जायजा

बड़े चकवा के मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने गुरुवार को लगातार बारिश के बीच मुंडागांव के बाजारपारा स्थित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का निरीक्षण कर किसान पंजीयन एवं एग्रीस्टैक पंजीयन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर पंजीयन प्रक्रिया, आ रही समस्याओं तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर छिकारा ने सीएससी संचालक को निर्देशित किया कि किसानों के पंजीयन कार्य को प्राथमिकता के साथ करें और किसी भी पात्र किसान को पंजीयन से वंचित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक पंजीयन किसानों को कृषि संबंधी शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के आवश्यक है, इसलिए इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पंजीयन संबंधी दस्तावेजों, ऑनलाइन प्रक्रिया तथा केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी और आवश्यक दस्तावेजों के साथ शीघ्र पंजीयन कराने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने बड़े चकवा के मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, एसडीएम बस्तर गगन शर्मा, तहसीलदार जीवेश शोरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

तीन दिवसीय पंजीयन शिविर का कलेक्टर आकाश छिकारा ने किया निरीक्षण

मातृत्व वंदना योजनान्तर्गत शत-प्रतिशत लाभान्वित करने दिए निर्देश

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में आयोजित तीन दिवसीय पंजीयन शिविरों के तहत बस्तर विकासखंड के सद्भावना भवन में संचालित शिविर का कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा हितग्राहियों को प्रदान की जा रही सेवाओं और योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक पात्र हितग्राही का अवश्य पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की कमी न रहे। कलेक्टर श्री छिकारा ने विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव कराने वाली सभी पात्र महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना के लाभ से कोई भी पात्र महिला वंचित न रहे, इसके लिए पंजीयन, सत्यापन एवं स्वीकृति की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।

उन्होंने शिविर में किसान पंजीयन और एग्री स्टेक पंजीयन प्रकिया का स्वयं आंकलन किया। किसानों के पंजीयन संबंधी समस्याओं को राजस्व अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इसके अलावा अन्य विभागों के स्टॉल पर जाकर उपस्थित महिलाओं एवं ग्रामीणों से संवाद कर योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है और ऐसे शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पंजीयन शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन ने शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। सीईओ श्री जैन ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों, महिलाओं एवं अन्य हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष पंजीयन शिविर का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ना तथा उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न विभागीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक पात्र व्यक्ति का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। इस अवसर पर एसडीएम बस्तर श्री गगन शर्मा, तहसीलदार जॉली जेम्स, नायब तहसीलदार, नगर पंचायत सीएमओ तरुण लहरे अन्य विभागों के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। तीन दिवसीय पंजीयन शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत पंजीयन, आवेदन एवं हितग्राही उन्मुख सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व पर बचेली गुरुद्वारा साहिब में छबील सेवा, श्रद्धालुओं को बांटा गया शर्बत

सुखमनी साहिब पाठ, शब्द-कीर्तन और अरदास के बाद संगत ने सेवा भाव से किया शर्बत एवं चने के प्रसाद का वितरण

लोकमाया न्यूज ।

बचेली। सिख धर्म के पांचवें गुरु, गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी पर्व के अवसर पर 18 जून गुरुवार को गुरुद्वारा साहिब बचेली में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सुबह श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ, शब्द-कीर्तन एवं अरदास का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत गुरु अर्जुन देव जी की स्मृति में छबील सेवा लगाई गई, जहां संगत एवं राहगीरों को ठंडा शर्बत और चने का प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सेवा में भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण कर गुरु साहिब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सिख इतिहास में गुरु अर्जुन देव जी की शहादत को सिख धर्म की पहली शहादत माना जाता है। मानवता, सेवा और त्याग के प्रतीक गुरु साहिब को श्रद्धापूर्वक शहीदों के सरताज के रूप में याद किया जाता है।

बस्तर वनमंडल की बड़ी पहल, संवेदनशील क्षेत्रों में मॉकड्रिल

वन अपराधों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु अमले ने की तैयारी

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। वनों की सुरक्षा, अवैध कटाई, अतिक्रमण और शिकार जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए बस्तर वनमंडल ने एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील कदम उठाया है। वन परिक्षेत्र भानपुरी के संवेदनशील क्षेत्रों बनियागाँव और पिपलावंड में आज वनमंडल स्तरीय मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस विशेष अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में वन अमले की त्वरित कार्यवाही क्षमता को परखना और उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना था, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में वन विभाग की टीम तत्काल एक्शन ले सके। इस मॉकड्रिल के दौरान पूरे वन अमले ने युद्ध स्तर पर काम करने का अभ्यास किया। इसके तहत घटना की जानकारी मिलते ही अमले को अलर्ट मोड पर लाने, त्वरित सूचना देने और घटनास्थल पर बिना वक्त गंवाए पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करने की कड़ियों को परखा गया। वन अमले ने बनियागाँव और पिपलावंड के जंगलों में सघन गश्त की और मॉकड्रिल के हिस्से के रूप में वन अपराधों के मामलों को तत्काल दर्ज भी किया। इस दौरान टीम ने वहाँ मौजूद ग्रामीणों और ट्रैक्टर चालकों को वनों को नुकसान पहुंचाने और अवैध अतिक्रमण के गंभीर कानूनी व व्यावहारिक दुष्परिणामों के बारे में समझाइश दी, साथ ही उन्हें वन संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया। इस विशेष अभ्यास में वनमंडलाधिकारी बस्तर श्री उत्तम कुमार गुप्ता, उप वनमंडलाधिकारी श्री आईपी बंजारे, श्री योगेश रात्रे एवं श्री सुखदास नाग के साथ ही समस्त परिक्षेत्र अधिकारी श्री लालसाय मरकाम, श्री प्रकाश ठाकुर, श्री सौरभ रजक, श्री बुधराम साहू, श्री खितीराम कुरे, श्री रायतू राम मौर्य, सुश्री दीक्षा वर्मा, श्री प्रकाश देहारी एवं श्री देवेन्द्र तारम सहित विभिन्न क्षेत्रों के परिक्षेत्र सहायक, परिसर रक्षक और सुरक्षा श्रमिक भी शामिल रहे।

आयुष्मान भारत और एबीडीएम योजनाओं की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

पीएम राहत और कार्ड ब्लॉकिंग पर दिया गया तकनीकी मार्गदर्शन

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान शाखा के अंतर्गत आज महारानी अस्पताल के शहीद गुंडाधुर सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के समस्त आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत शासकीय व निजी चिकित्सालयों, मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के संस्था प्रमुख और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और तकनीकी बारीकियों से सभी को अवगत कराना था।

बैठक में मुख्य रूप से जनकल्याणकारी और तकनीकी विषयों पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए, जिसके तहत सड़क दुर्घटना के मरीजों को आपातकालीन स्थिति में त्वरित और सुचारू इलाज उपलब्ध कराने के संबंध में पीएम राहत योजना के तहत आवश्यक निर्देश जारी किए गए। इसके साथ ही, डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत नेक्स्ट जेन, आभा आईडी निर्माण, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री और हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए इस कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने, क्लेम और कार्ड ब्लॉकिंग की प्रक्रिया तथा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी उपस्थित प्रभारियों को गहन तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। इस कार्यशाला में अन्य राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय स्वास्थ्य अभियानों की भी समीक्षा की गई। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सी. मैत्री ने आगामी राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के संबंध में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने 14वें छत्तीसगढ़ मलेरिया मुक्त अभियान के सफल संचालन को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। इसी क्रम में जिला इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम एवं कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ. विरेन्द्र ठाकुर ने सघन चर्म रोग खोज अभियान एवं प्रारंभिक निदान और शीघ्र उपचार के तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। विभागीय समन्वय को मजबूत करने के लिए आयोजित इस बैठक में आयुष्मान भारत के जिला नोडल अधिकारी सहित जिला सलाहकार कमल किशोर खेवार, पीएम राहत योजना प्रतिनिधि गौरव तथा एबीडीएम योजना प्रतिनिधि कुमारी चेतना एवं पुष्पा अंकित राय विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के अंत में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने सभी संस्था प्रमुखों और ऑपरेटरों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि इन सभी स्वास्थ्य योजनाओं का वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर हर पात्र हितग्राही तक अनिवार्य रूप से पहुंच सके।

जनपद पंचायत दरभा में नरेगा और पीएम आवास योजना की सामाजिक अंकेक्षण संबधी हुई बैठक

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। विकास और प्रशासनिक पारदर्शिता को गति देने के उद्देश्य से जनपद पंचायत दरभा में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तोकापाल, शंकर लाल सिन्हा की अध्यक्षता में सामाजिक अंकेक्षण संबधी बैठक में जनपद पंचायत दरभा के अंतर्गत आने वाली समस्त 46 ग्राम पंचायतों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य रूप से उन आपत्तियों और महत्वपूर्ण सुझावों पर बिंदुवार चर्चा की गई जो पूर्व में आयोजित ग्राम सभाओं के माध्यम से प्राप्त हुए थे। इन सभी तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं का उपस्थित विभागीय अधिकारियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा आपसी समन्वय से मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता को और मजबूत किया जा सके। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दरभा श्री बीरेंद्र बहादुर, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, विकासखंड समन्वयक (आवास) और तकनीकी सहायकों सहित सभी 46 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी श्री शंकर लाल सिन्हा ने सामाजिक अंकेक्षण से निकले निष्कर्षों के आधार पर कड़ी और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी शासकीय योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित किया जाए और सभी विभाग आपसी तालमेल बनाकर हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दोनों महत्वाकांक्षी योजनाओं के सफल संचालन तथा ग्रामीणों को समयबद्ध तरीके से उनका हक पहुंचाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने का साझा संकल्प लिया।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने किया एमआरएफ एवं एमआरसी सेंटर का निरीक्षण

कचरा प्रबंधन व्यवस्था का लिया जायजा, महिला समूहों से की चर्चा

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन ने गुरुवार को जगदलपुर विकासखंड के ग्राम बाबू सेमरा स्थित एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) एवं एमआरसी (मटेरियल रिकवरी सेंटर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, प्रसंस्करण तथा उससे तैयार किए जा रहे सह-उत्पादों की गतिविधियों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सेंटर में संचालित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों की समीक्षा करते हुए कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सेंटर को संचालित करने वाले अधिकारियों से कचरा प्रबंधन के लिए प्लास्टिक, कार्ड बोर्ड, काँच के सामानों की

आपूर्ति और व्यवस्थित करने के साथ ही एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) एवं एमआरसी (मटेरियल रिकवरी सेंटर) की मशीनों का संचालन की गतिविधि के संबंध चर्चा किए। साथ ही सेंटर की मानव संसाधन, उत्पादों की बिक्री-व्यवसाय, आर्थिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली ।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने केंद्र में कार्यरत महिला स्व सहायता समूहों की सदस्यों से भी चर्चा की। उन्होंने सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो रहे आर्थिक लाभ, रोजगार के अवसरों तथा आजीविका संवर्धन संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। महिला समूहों की सदस्यों ने बताया कि कचरा प्रबंधन एवं प्लास्टिक अपशिष्ट से तैयार उत्पादों के निर्माण से उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने समूहों को नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने और आय संवर्धन के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन के दिलीप गोस्वामी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम घोषित

कोरबा। शिक्षण सत्र 2026-26 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेष हेतु राज्य के सभी जिलों में विगत 10 जून को प्राक्कयन परीक्षा आयोजित की गई थी। प्राक्कयन परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए जिलेवार सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग ने बताया कि परीक्षा परिणाम देखने हेतु विद्यार्थी विभागीय वेबसाइट पर अपना रोल नंबर एवं मोबाइल नंबर प्रविष्ट कर देख सकते हैं।

अवैधानिक मत्स्याखेट की रोकथाम एवं जांच हेतु टीम गठित

कोरबा। मत्स्याखेट बंद ऋतु 16 जून से 15 अगस्त तक बांगो जलाषय में अवैधानिक मत्स्याखेट की रोकथाम एवं जांच हेतु 07 सदस्ययी टीम का गठन किया गया है। मछली पालन विभाग द्वारा जारी आदेष के अनुसार सहायक मत्स्य अधिकारी फलेष्वर सिंह दल के प्रभारी रहेंगे तथा मत्स्य निरीक्षक कमल किषोर सिंह तंवर, सुज्योति राज, सुप्राची सिंह, साइमन सान्डेय, कासिम खान और लकेष कुमार बंजारे को सदस्य नियुक्त किया गया है।

कृषि स्थायी समिति की 19 जून को आयोजित बैठक स्थगित

कोरबा। जिला पंचायत कोरबा की कृषि स्थायी समिति की बैठक 19 जून को आहूत की गई थी। अपरिहार्य कारणों से उक्त बैठक को स्थगित कर दी गई है। आगामी बैठक की सूचना पृथक से दी जायेगी।

रेडियोग्राफरपद पर नियुक्ति हेतु दावा आपत्ति एवं अनंतिम मेरिट सूची जारी

कोरबा। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरबा द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत रेडियोग्राफर के पदों हेतु पात्र-अपात्र सूची जारी कर दावा-आपत्ति 05 जून तक आमंत्रित किये गये थे। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार दावा-आपत्ति निराकरण पष्चात दावा-आपत्ति निराकरण सूची एवं अनंतिम मेरिट सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा जिले के शासकीय वेबसाइट में सर्व संबंधितों के अवलोकनार्थ एवं दावा आपत्ति हेतु अपलोड कर दिया गया है।

कुख्यात बदमाश रज्जाक अली गिरफ्तार: हत्या के प्रयास मामले में जेल, एनएसए और जिला बदर की तैयारी

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। जिले में अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में कुख्यात आरोपी रज्जाक अली को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ अब राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) और जिला बदर की कार्रवाई की भी तैयारी की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 15 जून 2026 को थाना सिविल लाइन रामपुर में अपराध क्रमांक 550/2026 के तहत आरोपी रज्जाक अली और उसके साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया। प्रार्थी शिवबालक सिंह तोमर ने शिकायत में बताया कि जिला जेल कोरबा के पास पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने उनका रास्ता रोककर गाली-गलौज की और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने लोहे के डंडों और अन्य हथियारों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस हमले में उनके दोनों पैरों सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं।

गिरफ्तारी के बाद न्यायिक रिमांड

मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन रामपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी रज्जाक अली को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

गवाहों को धमकाने का भी मामला दर्ज

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी द्वारा गवाहों और संबंधित लोगों को लगातार धमकाया जा रहा था तथा बयान बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफअलग से एक और अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन दशक से आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, रज्जाक अली पिछले करीब 30 वर्षों से हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, बलवा, मारपीट, आगजनी, अवैध हथियार, नारकोटिक्स एक्ट समेत कई गंभीर अपराधों में संलिप्त रहा है। उसके खिलाफजिले के विभिन्न थानों में अनेक मामले दर्ज हैं।

जिला बदर और एनएसए की तैयारी

आरोपी की लगातार आपराधिक गतिविधियों और समाज में भय का माहौल बनाने को देखते हुए पुलिस ने उसके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर कार्यालय भेज दिया है।

अडानी पावर प्लांट में चोरी की साजिश नाकाम, 4 आरोपी गिरफ्तार

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कोरबा जिले में सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत उरगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अडानी पावर प्लांट पताढ़ी में चोरी की साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने मौके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, प्लांट परिसर में सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही उरगा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने चोरी की नीयत से प्रवेश करना स्वीकार किया।

इस मामले में थाना उरगा में अपराध दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सशक्त हो रहे ग्रामीण परिवार, मिल रहा सम्मानजनक जीवन

लोकमाया न्यूज ।

बरसात की चिंता हुई दूर, अब अपने पक्के घर में सुरक्षित और खुशहाल है परिवार

कोरबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में ''विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के'' कार्यक्रम के तहत विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाने के लिए 18 से 20 जून 2026 तक वृहद पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कोरबा अनुविभाग अंतर्गत नगर निगम पंडित जवाहरलाल नेहरू सभाकक्ष में आयोजित शिविर में अनेक हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इनमें ग्राम चाकामार निवासी कृषक रामकुमार राठिया भी शामिल हैं, जिनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से साकार हुआ है। कभी कच्चे मकान में रहने वाले राठिया का परिवार बरसात के दिनों में अनेक कठिनाइयों का सामना करता था। घर की जर्जर स्थिति के कारण परिवार की सुरक्षा, बच्चों की पढ़ाई और दैनिक जीवन प्रभावित होता था।खेती-किसानी ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। सीमित आय में परिवार का भरण-पोषण करते हुए अपने तीन बच्चों के बेहतर भविष्य की चिंता हमेशा उन्हें रहती थी। ऐसे में उनका सबसे बड़ा सपना था कि परिवार के लिए एक सुरक्षित और पक्का घर बन सके, जहां वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें।प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिली सहायता और अपनी बचत के सहयोग से राठिया ने अपना पक्का मकान तैयार किया।

ठेका कंपनी के अधिकारी पर धमकी का आरोप, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। जिले की सिंघाली भूमिगत खदान में कार्यरत ठेका कंपनी पीएनसी के एक अधिकारी पर ग्रामीणों को धमकाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से वे आक्रोशित हैं।

ग्रामीणों के अनुसार कंपनी के अधिकारी केके सिंह ने उन्हें जान से मारने और जमीन में गाड़ देने जैसी धमकियां दीं। घटना के बाद शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

नाराज ग्रामीणों ने सुबह करीब 9 बजे बांकी मोंगरा-डेलवाडीह मार्ग के अरदा चैक पर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और लिखित आश्वासन मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

कोयला ग्रेड स्लिपेज' घोटाले का सनसनीखेज खुलासा, शीर्ष एजेंसियों में शिकायत

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के दीपका ओपनकास्ट खदान से एक बड़े और संगठित 'कोयला ग्रेड स्लिपेज घोटाले' का खुलासा हुआ है। आरटीआई कार्यकर्ता जितेंद्र कुमार साहू द्वारा जुटाए गए दस्तावेजों के आधार पर इस मामले की शिकायत सर्वोच्च न्यायालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई को सौंप दी गई है, जिससे प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

शिकायत के अनुसार, एसईसीएल द्वारा खदान से निकलने वाले कोयले को उच्च ग्रेड (जी11) बताकर उपभोक्ताओं से भुगतान लिया जाता है, लेकिन गंतव्य पर पहुंचने के बाद थर्ड पार्टी एजेंसियों के जरिए कागजों में उसकी गुणवत्ता कम दिखा दी जाती है। इस अंतर का लाभ निजी कंपनियों को मिलता है और बाद में उन्हें 'क्रेडिट नोट' के जरिए करोड़ों रुपये का रिफंड दिया जाता है।

दस्तावेजों में सामने आया है कि वर्ष 2015-16 में जहां क्रेडिट अमाउंट महज 2.98 करोड़ रुपये था, वहीं 2018-19 में यह बढ़कर 140 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। 2020-21 में भी 84 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि रिफंड की गई। मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका भी जताई गई है। आरोप है कि पहले यह राशि मुख्यालय स्तर से समायोजित होती थी, लेकिन बाद में क्षेत्रीय स्तर पर ही क्रेडिट नोट जारी कर भुगतान किया जाने लगा। इसके अलावा, सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी भी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे केंद्रीय सूचना आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने कोल इंडिया, एसईसीएल, सीएमपीडीआईएल सहित कई शीर्ष अधिकारियों के खिलाफएफआईआर दर्ज कर उनकी संपत्ति कुर्क करने की मांग की है।

बायोमेट्रिक हाजरी व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दूबारा रखने के प्रस्ताव का विरोध : वन कर्मचारी संघ

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत दुबे ने वन विभाग की वर्तमान नीतियोंऔर हालिया प्रस्तावो विभाग में रिक्त पदों पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पुन: नियोजित करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। साथ ही, मैदानी अमले पर व्यावहारिक कठिनाइयों को समझे बिना बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने के फैसले पर भी आपत्ति जताई है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के नियोजन का कड़ा विरोध करते हुवे प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वन विभाग में हजारों पद रिक्त होने के बावजूद नई भर्ती करने या वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्म चारियों को नियमित करने के बजाय सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दोबारा कार्य पर रखने का प्रस्ताव लाया जा रहा है।

यह निर्णय छत्तीसगढ़ के लाखों शिक्षित बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। संघ मांग करता है कि इन रिक्त पदों पर पहला अधिकार प्रदेश के बेरोजगार युवाओं और सालों से सेवाएं दे रहे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का है। इस प्रकार के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करना चाहिए। साथ ही वनरक्षक, वनपाल और उपवनक्षेत्रपाल, के लिए लागू की जा रही बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को पूरी तरह से अव्यावहारिक बताया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मैदानी कर्मचारी चैबीसों घंटे घने जंगलों में नेटवर्क विहीन क्षेत्रों और दुर्गम वन्यजीव इलाकों में ड्यूटी करते हैं। जंगल की सुरक्षा वन्यप्राणी संरक्षण और तस्करों को पकडने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं होती। ऐसे में उन्हें मुख्यालय या निश्चित केंद्रो पर आकर बायोमेंट्रिक उपस्थिति लगाने के लिए मजबूर करना कर्मचारियों के मनोबल को तोडने जैसा है। मांग है कि रिक्त पदों पर सेवानिवृत्त कर्म चारियों के नियोजन के प्रस्ताव को तुरंत वापस लिया जाए और सभी रिक्त पदों पर नई सीधी भर्ती निकाल कर छत्तीसगढ़ के बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाए या विभाग में वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को प्राथमिकता के आधार पर नियमित पदोंपर समायोजित किया जाए। मैदानी अमल वनरक्षक, वनपाल, उपवनक्षेत्रपाल की कार्य शैली को देखते हुए बायोमेट्रिक उपस्थिति के अव्यावहारिक निर्देश को निरस्त किया जाए।

पाली हाईस्कूल के विवादास्पद प्राचार्य सराफको हटाने अभिभावकों व जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से की मांग

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। पाली शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाली में विवादास्पद प्राचार्य मनोज सराफ की कार्यशैली से स्कूल का शैक्षिक माहौल दिन ब दिन खराब होते नजर आने लगा है। विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने के विपरीत प्राचार्य मनोज सराफ के क्रियाकलापों से पाली हाईस्कूल की दशकों पुरानी प्रतिष्ठा तार-तार होने को लेकर अभिभावकों और जनप्रतिनिधियों ने उन्हें हटाने जिला प्रशासन से अपेक्षित मांग की है। उल्लेखनीय है कि प्राचार्य मनोज सराफका अतीत बेहद विवादास्पद रहा है। साल 2018 में पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के तानाखार हाईस्कूल में पदस्थ रहने की दौरान स्कूल भवन के भीतर एक युवती के साथ आपत्तिजनक हालत में ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ा था और कटघोरा पुलिस के हवाले किया था। पुलिस ने संदिग्ध परिस्थिति में मिलने पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां जमानत खारिज होने पर जेल भेज दिया गया था। मामले को गंभीर मानते हुए बिलासपुर संभागायुक्त ने उन्हें तब निलंबित कर दिया था। इस शर्मनाक घटना के बाद पूर्व कलेक्टर मोहम्मद केसर अब्दुल हक ने शिक्षा विभाग को खास निर्देश दिया था कि प्राचार्य मनोज सराफ की पदस्थापना छात्राएं अध्यनरत वाले किसी भी स्कूल में न कि जाए। लेकिन साल 2019- 20 में बहाली के बाद कलेक्टर किरण कौशल के कार्यकाल में उन्हें छात्राएं अध्यनरत वाले पाली हाईस्कूल में ही पदस्थ कर दिया गया। वर्ष 2021 में प्राचार्य के आचरण के विरुद्ध हाईस्कूल के छात्रों ने आंदोलन कर उन्हें हटाने की मांग की। दबाव में उन्हें डीईओ कार्यालय कोरबा अटैच किया गया। साल 2022 में प्राचार्य सराफ पुन: पाली आने में सफल रहे और तब से यहीं पदस्थ है। विवाद की कड़ी में पाली हाईस्कूल में पदस्थ व्याख्याता प्रखर पांडेय का आरोप है प्राचार्य मनोज सराफ उन पर विज्ञान, रसायन और भौतिकी की प्रायोगिक सामाग्री से जुड़े फिजिक्स रजिस्टर में फर्जी संधारण करने का महीनों से दबाव बना रहे है, इंकार करने पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहे है। इसी विवाद ने नए शिक्षा सत्र 2026- 27 के पहले दिन 16 जून को विस्फोटक रूप ले लिया।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने फिजिकल एआई के युग के लिए अपने रोबोटिक्स विजन पर प्रकाश डाला

लोकमाया न्यूज ।

रायपुर। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (एलजी) फिजिकल एआई के नए युग को गति दे रहा है। कंपनी अपने एलजी क्लोइड रोबोट, जिसे पहली बार सीईएस 2026 में पेश किया गया था, के माध्यम से इस तकनीक को फैक्ट्रियों से निकालकर घरों, मोबिलिटी समाधानों, कमर्शियल स्पेस और औद्योगिक वातावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्तारित कर रही है। विविध परिवेशों की गहन समझ, अत्याधुनिक रोबोटिक्स तकनीकों और एक मजबूत फिजिकल एआई इकोसिस्टम के बल पर एलजी वैश्विक रोबोटिक्स बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है। इसे चार आपस में जुड़े हुए प्रमुख आधार संभव बना रहे हैं, जो एलजी को फिजिकल एआई को कारखानों और कमर्शियल स्थानों से घरों तक लाने में सक्षम बनाते हैं। दुनिया भर में लाखों कनेक्टेड होम अप्लायंसेज के माध्यम से जुटाए गए दशकों के कंज्यूमर इनसाइट्स और ऑपरेशनल डेटा।

आवासीय, कमर्शियल और औद्योगिक वातावरण में रोबोटिक्स के विकास का 20 वर्षों से अधिक का अनुभव। कोर रोबोटिक्स प्रौद्योगिकियां, जिनमें एक्चुएटर्स, मोटर्स और प्रिसिजन मोशन सिस्टम शामिल हैं, जो इंटेलिजेंट मशीनों को भौतिक दुनिया के साथ इंटरैक्ट करने में सक्षम बनाती हैं। एलजी ग्रुप के सहयोग से तैयार किया गया एक अनूठा फिजिकल एआई इकोसिस्टम। जैसे-जैसे फिजिकल एआई विकसित हो रहा है, आपस में जुड़े ये चारों पहलू एक ऐसी तकनीकी रीढ़ और मूलभूत आधार बनाते हैं जो एआई इंटेलिजेंस को वास्तविक दुनिया के भौतिक कार्यों से जोड़ते हैं।

'जीरो लेबर होम' की ओर बढ़ते कदम

रोबोटिक्स में अपने दशकों के अनुभव और फिजिकल एआई इकोसिस्टम का लाभ उठाते हुए, एलजी जीरो लेबर होम नामक एक विजन पर काम कर रहा है। भविष्य के इस आवासीय परिवेश में, इंटेलिजेंट रोबोट, कनेक्टेड अप्लायंसेज और एआई ऑर्केस्ट्रेशन सिस्टम न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ घर के कामों को सक्रिय रूप से प्रबंधित करने के लिए एक साथ मिलकर काम करेंगे। एलजी क्लोइड होम रोबोट इस विजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ThinQ (थिंक)कनेक्टेड अप्लायंस इकोसिस्टम के साथ सहजता से काम करते हुए, क्लोइड रोजमर्रा की घरेलू गतिविधियों में मदद कर सकता है। साथ ही, यह एआई इंटेलिजेंस और घर के वातावरण के बीच एक भौतिक इंटरफेस के रूप में भी काम करता है।

कुल मिलाकर, एलजी ऐसे घर की कल्पना करता है जो केवल आदेशों का पालन करने से कहीं अधिक काम करे। दिनचर्या को समझकर, जरूरतों का अनुमान लगाकर और स्वतंत्र रूप से कार्य करके, जीरो लेबर होम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को एक बेहद मूल्यवान चीज देना है- उनके और उनके परिवारों के लिए अधिक समय।

एलजी पर्सनलाइज्ड (व्यक्तिगत) और कॉन्टेक्स्ट-अवेयर (स्थिति के प्रति जागरूक) एआई रोबोट विकसित करने के लिए होम अप्लायंस क्षेत्र में अपने दशकों के नेतृत्व और ThinQ इकोसिस्टम के डेटा को मिलाकर रोबोटिक्स के क्षेत्र में खुद को एक अनूठी स्थिति में रखता है। यह गहरी उपभोक्ता अंतर्दृष्टि 20 वर्षों से अधिक के वास्तविक दुनिया के ऑपरेशनल डेटा पर आधारित है जो 2003 में इसके पहले क्लीनिंग रोबोट से लेकर विभिन्न कमर्शियल और औद्योगिक अनुप्रयोगों तक फैली हुई है जिससे सुरक्षित नेविगेशन और प्राकृतिक मानवीय संपर्क सुनिश्चित होता है।

विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के तहत हितग्राहियों के लिए वृहद शिविर का हो रहा आयोजन

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संचालित 'विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के अंतर्गत कोरबा अनुविभाग स्तरीय तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह के मुख्य आतिथ्य में निगम के पंडित जवाहरलाल नेहरू सभाकक्ष में हुआ। इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष बीजमोती कंवर, सीईओ जिला पंचायत दिनेश नाग, एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।अतिथियों द्वारा भारत माता की छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वल कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआतकी गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए प्रशासन गांव-गांव और लोगों के बीच पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहा है। सुशासन तिहार जैसे आयोजनों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को साकार करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण शिविर में पहुंचकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। महापौर राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पिछड़े एवं जरूरतमंद वर्गों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से स्ट्रीट वेंडर्स और छोटे व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कोरबा नगर निगम ने राष्ट्रीय स्तर पर 8वां स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने आसपास के लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

जिला पंचायत सदस्य राठिया ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग करें, ताकि प्रधानमंत्री की जनहितकारी सोच और विकास की अवधारणा जन-जन तक पहुंच सके।

सीईओ नाग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में संचालित हितग्राहीमूलक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में लाखों लोगों के पक्के मकान का सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से विभिन्न वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और उनका लाभ उठाने का आग्रह किया। साथ ही बताया कि पात्रता के अनुसार सभी योग्य हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

इस दौरान विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से आमजनों को लाभान्वित किया गया। पीएम आवास ग्रामीण अंतर्गत कोरबा व करतला ब्लॉक के हितग्राहियों को आवास की सांकेतिक चाबी व प्रमाण पत्र दिया गया। जिसमें कुरुडीह की शांति बाई, आशा बाई, चाकामार के राम कुमार, लखन लाल यादव, कथरीमाल के अनिता राजवाड़े, मंजू कंवर, अमृत लाल कंवर शामिल है। पंचायत विभाग अंतर्गत जवाहर, अमित कुमार को जॉब कार्ड प्रदान किया गया। कृषि विभाग अंतर्गत खरमोरा के किसान पाल सिंह कंवर, जगमोहन सिंह कंवर और कोमल सिंह को अरहर बीज वितरित किया गया।

शिविर में कृषि, खाद्य, आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदन,पीएम सूर्यघर, पीएम स्वनिधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, जलजीवन मिशन, पीएम कौशल विकास योजना सहित विभिन्न विभागों द्वारा सक्रिय सहभागिता निभाते हुए विशेष काउंटर लगाए गए है।

हाकी प्रो लीग : भारतीय टीम ने विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराया

राटरडैम (नीदरलैंड)

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण के अपने दूसरे मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

मुकाबले में भारतीय टीम के लिए मनदीप सिंह (7वें मिनट), शिलानंद लाकड़ा (13वें मिनट) और नीलाकांत शर्मा (35वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल राफेल हार्टकोफ (45वें मिनट) ने किया।

यह मैच अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह के लिए एक यादगार रहा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले हाकी खिलाड़ी बने और उन्होंने पूर्व दिग्गज दिलीप टिर्की का रिकार्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने यह अपना 413वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जबकि टिर्की ने 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

भारत ने मैच की शुरुआत अच्छी की और बाल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा, जिससे शुरुआत में ही दबाव बना। इसका फायदा 7वें मिनट में मिला, जब मनदीप ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले 13वें मिनट में लाकड़ा ने शानदार शाट लगाकर जर्मन गोलकीपर अलेक्जेंडर स्टैडलर को छकाया और स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में जर्मनी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस मजबूत बना रहा। जर्मनी को मैच का पहला पेनल्टी कार्नर 24वें मिनट में मिला, लेकिन अमित रोहिदास ने उसे रोक दिया। लगातार अटैक करने के बाद जर्मनी को 27वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर मिला, लेकिन गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचाव किया और हाफटाइम तक भारत की 2-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम गोल करने की कोशिश करती रही। उनकी मेहनत 35वें मिनट में रंग लाई, जब नीलाकांत ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जवाबी हमले किए और गोल करने के बराबर मौके बनाए। आखिरकार, तीसरे क्वार्टर के खत्म होने में कुछ सेकेंड बाकी रहते हुए जर्मनी को सफलता मिली, जब राफेल हार्टकोफ ने 45वें मिनट में गोल करके स्कोर 3-1 कर दिया। आखिरी क्वार्टर में भारतीय डिफेंस मजबूती से डटा रहा और जर्मनी को गोल करने से रोकते हुए 3-1 से शानदार जीत पक्की की।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में विफल रहे रोनाल्डो ने वापसी का वादा किया, कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रा पर रोका

न्यूजर्सी। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मैच में असफल रहे है। इस कारण कांगों ने मुकाबले में पुर्तगाल को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। स्टार खिलाड़ी रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन से पुर्तगाल के प्रशंसकों को भी भारी निराशा हुई। कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रा रहे मुकाबले में रोनाल्डो प्रभावहीन दिखे जिसका भी नुकसान पुर्तगाल को हुआ। छठी बार विश्वकप खेल रहे रोनाल्डो से इस प्रकार के खराब प्रदर्शन की उम्मीद किसी को नहीं थी। रोनाल्डो ने मैच के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा, यह वैसी शुरुआत नहीं थी जैसी हम चाहते थे पर कहा कि कि अभी खेल खत्म नहीं हुआ है। हिम्मत रखो और अगले मैच पर ध्यान दोरो। उनके इन शब्दों में निराशा के साथ-साथ अगले मैच में वापसी करने का दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा था। यह संदेश सिर्फ उनके प्रशंसकों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी टीम के लिए भी था कि उन्हें हौसला नहीं छोड़ना चाहिये। वहीं पुर्तगाल के कोच राबर्टो मार्टिनेज ने भी रोनाल्डो का पूरा समर्थन किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने रोनाल्डो को शुरुआती एकादश से बाहर रखने पर विचार किया था, तो मार्टिनेज ने स्पष्ट जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आपको गोल की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर को बाहर रखना समझदारी नहीं होती है। हमारे लिए रोनाल्डो का अनुभव महत्वपूर्ण है। कोच के इन शब्दों से साफ है कि वे अभी भी रोनाल्डो पर पूरा भरोसा करते हैं और उनका मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी की उपस्थिति और नेतृत्व टीम के लिए बेहद मूल्यवान है।

मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया

मुरादाबाद। ब्राससिटी अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने सोनकपुर स्टेडियम टीम को दो विकेट से हराया। तीन विकेट लेने वाले मुरादाबाद सिटी के कार्तिक को मैन आफ द मैच चुना गया वहीं 41 रन की पारी खेलने वाले विवेक को गेम चेंजर अवार्ड दिया गया। मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सोनकपुर स्टेडियम की टीम 29.3 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से हर्षवर्धन ने 79 गेंदों पर 56 रन और कुमार अभिमन्यु ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए। हालांकि कार्तिक की सटीक गेंदबाजी के आगे सोनकपुर स्टेडियम के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके। कोहिनूर और सक्षम ने भी दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुरादाबाद सिटी टाइटंस ने 23.2 ओवर में आठ विकेट खोकर जीत दर्ज कर ली। विवेक ने 31 गेंदों में 41 रन और अभिजीत ने 16 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सोनकपुर स्टेडियम की ओर से हर्षित ने तीन और विशाल ने दो विकेट लिए लेकिन उनकी मेहनत टीम को जीत नहीं दिला सकी।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन। फीफा विश्व कप फुटबाल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकार्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरुरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पाट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

लगातार जीत से उत्साहित चंबल घड़ियाल्स कप्तान शुभम शर्मा, बोले- तैयारियों ने दिलाई सफलता

इंदौर

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 सिंधिया कप-2026 में चंबल घड़ियाल्स का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। टीम ने अब तक अपने सभी सात मुकाबले जीतकर अजेय रहने का रिकार्ड कायम रखा है। इस सफलता पर कप्तान शुभम शर्मा ने खुशी जताते हुए कहा कि लगातार जीत हासिल करना बेहद सुखद अनुभव है और टूर्नामेंट से पहले की गई कड़ी तैयारी ने टीम की इस कामयाबी में अहम भूमिका निभाई है।

चंबल घड़ियाल्स ने इस सीजन जीत का सिलसिला जारी रखा है। बीती रात टीम ने इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स को 39 रनों से हराकर लगातार सातवीं जीत दर्ज की। इससे टीम इस सीजन अंक तालिका में 14 अंकों के साथ टाप पर काबिज है।

बुंदेलखंड बुल्स के खिलाफ जीत के बाद कप्तान शुभम शर्मा ने कहा कि लगातार सात जीत हासिल करना बहुत अच्छा लग रहा है। जब तक हम जीतते रहते हैं तो ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक रहता है। हालांकि हमें पता है कि अभी भी कुछ ऐसी जगहे हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हर मैच में अलग-अलग चुनौतियां होती हैं और आज भी ऐसा ही था। हमने शुरुआत में कुछ विकेट गंवा दिए थे, इसलिए साझेदारी बनाना बहुत जरूरी हो गया था। कप्तान शर्मा ने कहा कि टूर्नामेंट से पहले की तैयारी ने हमारी सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। हमने ग्वालियर में एक साथ अच्छी ट्रेनिंग की, टीम के बीच मजबूत तालमेल बनाया और वही समझ हमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में मदद कर रही है। मुकाबले की बात करें तो चंबल घड़ियाल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभम शर्मा (81) और त्रिपुरेश सिंह (50) की शानदार पारियों की बदौलत अपने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 218 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इन दोनों के अलावा अंकुश सिंह 26 रन, अमन भदौरिया 15 रन, मयूर पटेल ने नाबाद 13 रन और आवेश खान ने 7 रन का योगदान दिया। बुंदेलखंड बुल्स की ओर से अनंत दुबे ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। यश पाटीदार, हर्षित परसाई, शिवांग कुमार और विक्रांत भदोरिया ने एक-एक विकेट लिया।

फीफा विश्वकप : हैरी केन के अच्छे प्रदर्शन से इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया

अर्लिंग्टन। कप्तान हैरी केन के दो गोलों की सहायता से इंग्लैंड ने फीफा विश्वकप फुटबाल के अपने पहले ही मैच में जीत से शुरुआत की है। इंग्लैंड ने डलास स्टेडियम में हुए ग्रुप एल के एक मुकाबले में क्रोएशिया को रोमांचक मुकाबले में 4-2 से हरा दिया। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी ने दो गोल दागे। हैरी के अलावा जूड बेलिंगहैम और स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे मार्कस रैशफोर्ड ने एक-एक गोल किया। दोनों टीमों ने शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। क्रोएशिया ने हमलों की शुरुआत की पर इसके बाद इंग्लैंड ने भी पलटवार किये। 12वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिली। पेनल्टी पर केन के शाट को गोलकीपर ने रोक लिया पर फाउल होने से दोबारा पेनाल्टी ली गयी। इसमें केन गोल दागने में सफल रहे। इससे टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी। इसके बाद क्रोएशिया ने वापसी के प्रयास शुरु किये। उसकी ओर से मार्टिन बटुरिना ने शानदार गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इससे इंग्लैंड को फिर से बढ़त मिल गयी। कार्नर किक पर हैरी ने अच्छा हेडर लगाकर अपना दूसरा गोल दागने के साथ ही इंग्लैंड को 2-1 से फिर बढ़त दिला दी।पहले हाफ के अंत में एक बार फिर क्रोएशिया ने गोल दागकर स्कोर बराबरी पर ला दिया। ये गोल में इवान पेरिसिक के पास पर मूसा ने किया। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने आक्राकम अंदाज अपनाया। खेल शुरू होने के केवल दो मिनट बाद ही जूड बेलिंगहैम ने एक मैदानी गोल किया। उन्होंने सटीक शाट लगाकर इंग्लैंड को मुकाबले में 3-2 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने लगातार हमले किये पर क्रोएशियाई रक्षापंक्त ने विफल कर दिये। बेलिंगहैम, डेक्लान राइस और निको ओरेली ने गोल के प्रयास किये पर क्रोएशियाई गोलकीपर लिवाकोविक ने उन्हें विफल कर दिया।

10 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का अगला सत्र : सैकिया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2027 सत्र 10 मार्च में शुरु हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि मार्च की शुरुआत में ही सत्र शुरु करने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों, दर्शकों सहित सभी लोगों को तेज गरमी से बचाया जा सके।

सैकिया के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों में मई में पड़ने वाली भीषण गर्मी से बचने के लिए लीग को अगले साल से 10 मार्च से 15 मई तक रखे जाने की योजना बनायी गयी है। सैकिया ने हालांकि साफ कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए मैचों की संख्या 74 से बढ़ाकर 94 करने का कोई इरादा नहीं है।.

गौरतलब है कि आईपीएल आमतौर पर मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होता है और मई के अंत तक चलता है। सैकिया ने कहा कि आईपीएल को जल्दी शुरू करने से खिलाड़ी ही नहीं दर्शकों को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा, इस साल आईपीएल मार्च अंत में शुरू हुआ

मैचों की संख्या बढ़ाने का कोई इरादा नहीं

और 31 मई तक चला। 15 मई के बाद टूर्नामेंट के अंतिम चरण में बारिश या मानसून से पहले के मौसम से व्यवधान पड़ने की आशंका बनी रहती है।

सैकिया ने कहा, इसके अलावा मई में मौसम काफी गर्म हो जाता है जो न तो खिलाड़ियों के लिए और ना ही दर्शकों के लिए सही होता है।। इसलिए मई के अंतिम पखवाड़े में बढ़ते तापमान से निपटने के लिए टूर्नामेंट को दो सप्ताह पहले शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के साथ-साथ हमारी आईपीएल संचालन परिषद में भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या हम टूर्नामेंट को मार्च के शुरू में प्रारंभ कर सकते हैं।

सैकिया ने कहा, अगले साल से हम इसे जल्दी शुरू करने का प्रयास करेंगे। मैंने अपने महाप्रबंधक (खेल विकास) (पूर्व तेज गेंदबाज एबी कुरुविला) को निर्देश दे दिया है कि वह ऐसा कार्यक्रम तैयार करें जिससे हम 10 मार्च तक टूर्नामेंट शुरू करके 15 मई तक समाप्त कर सकें।

ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन 22 से 27 जून तक रायपुर में

रायपुर। प्रतिष्ठित ईस्टर्न स्लैम 2026 का आयोजन पहली बार रायपुर में होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 22 से 27 जून तक बूढ़ापारा स्थित स्क्वैश काम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में हो रहा है। इसमें पीएसए सैटेलाइट (पुरूष और महिला) स्पर्धाएं भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया है कि यह प्रतियोगिता स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन आफ इंडिया की 5 स्टार रैंकिंग प्राप्त है, जिसे एशियन स्क्वैश फेडरेशन और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन से भी मान्यता प्राप्त है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की 5-स्टार रैंकिंग प्रतियोगिता है, जिसमें भारत, सिंगापुर सहित 3 देशों और 21 राज्यों के लगभग 349 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

महिला हाकी नेशंस कप : भारत ने उरुग्वे को 3-2 से हराया

आकलैंड

भारतीय महिला हाकी टीम ने एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को आखिरी पूल मैच में उरुग्वे को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया।

इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में शीर्ष स्थान सुनिश्चित किया, जिसमें अमेरिका, जापान और उरुग्वे पर लगातार तीन जीत शामिल हैं। अमेरिका पूल ए में दूसरे स्थान पर रहा और भारत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गया।

न्यूजीलैंड के आकलैंड में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए दीपिका (24वें मिनट, 56वें मिनट) और दीपिका सोरेंग (43वें मिनट) ने गोल किए। उरुग्वे के लिए चियारा एपेंनिनो (13वें मिनट) और मैनुएला विलार (55वें मिनट) ने गोल दागे। यह मैच मिडफील्डर नेहा के लिए एक खास मौका था, जिन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम के लिए अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद उरुग्वे ने 13वें मिनट में चियारा के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि भारत ने जोरदार वापसी करते हुए हाफ टाइम से पहले अपनी शानदार फार्म में चल रही खिलाड़ी दीपिका के पेनल्टी कार्नर को 24वें मिनट में सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

पहले हाफ के बाद भारत ने अपनी खेल की तीव्रता बढ़ाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। 43वें मिनट में दीपिका सोरेंग के शानदार गोल की बदौलत भारत ने 2-1 की बढ़त हासिल कर ली।

उरुग्वे ने वापसी करते हुए कप्तान मनुएला के गोल से बराबरी कर ली। हालांकि, भारत ने तुरंत जवाब दिया। महज एक मिनट बाद दीपिका ने पेनल्टी कार्नर से अपना दूसरा गोल दागकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी, जिससे भारत की जीत सुनिश्चित हो गई।

हाकी इंडिया ने मिडफील्डर नेहा को 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर दी बधाई

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने अनुभवी मिडफील्डर नेहा को भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी है। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के आकलैंड में आयोजित एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप में उरुग्वे के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने मिडफील्डर नेहा की उपलब्धि की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय हाकी में उनके लंबे करियर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना किसी भी खिलाड़ी के करियर में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। नेहा एक दशक से अधिक समय से हमारी मिडफील्ड की अहम खिलाड़ी रही हैं। मैदान पर कठिन परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता उनकी आंतरिक शक्ति और चरित्र को दर्शाती है। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं के दौरान राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम भारतीय हाकी में उनके अमूल्य योगदान को सलाम करते हैं और राष्ट्रीय जर्सी में उनकी निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि एक महत्वाकांक्षी युवा खिलाड़ी से भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने तक नेहा का सफर वाकई शानदार है। वह दृढ़ता की मिसाल हैं और उन्होंने साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। मिडफील्ड में उनकी मौजूदगी टीम में एक अलग ही ऊर्जा भर देती है। यह उपलब्धि खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का फल है। उनका करियर निश्चित रूप से देश भर की कई युवा लड़कियों को हाकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा।

इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए नेहा ने कहा कि भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करके मैं बेहद खुश और उत्साहित हूं। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने परिवार और प्रीतम सिवाच मैम को हर सुख-दुख में मेरा साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं हाकी इंडिया, अपनी टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ की भी आभारी हूं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझ पर भरोसा जताया और मेरा मार्गदर्शन किया।

हरियाणा के सोनीपत में जन्मी नेहा ने पूर्व भारतीय कप्तान प्रीतम रानी सिवाच के मार्गदर्शन में हाकी खेलना शुरू किया था। उन्होंने 2014 में ग्लासगो (स्काटलैंड) में आयोजित एफआईएच चैंपियंस चैलेंज में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। पदार्पण के बाद से ही उन्होंने भारतीय महिला हाकी टीम में मिडफील्ड की एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। नेहा राष्ट्रीय टीम के सबसे महत्वपूर्ण दौर में एक केंद्रीय स्तंभ रही हैं। टोक्यो 2020 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम में वह एक अहम सदस्य थीं। उनके शानदार करियर में जकार्ता में आयोजित 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीतना भी शामिल है। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को कांस्य पदक दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अतिरिक्त, नेहा ने 2022 में आयोजित एफआईएच महिला नेशंस कप में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता। हाल ही में उन्होंने 2025 एशिया कप में राष्ट्रीय टीम को रजत पदक दिलाने में मदद की। वह रांची और राजगीर में आयोजित महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थीं।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।

शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

वजन बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्रकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्रकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है। डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हडिडयां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती हैं। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

कीर्ति कुल्हारी ने मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।' निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं।
सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है।
फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है। फिल्म को सोनी म्यूजिक इंडिया का सहयोग मिला है। फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। उनका मानना है कि फिल्म का मूल विचार बहुत अच्छा था, लेकिन पटकथा थोड़ी सुस्त है और इसमें रोमांच या हास्य की कमी है। कई विषयों को छूने के बावजूद, फिल्म उनमें गहराई तक नहीं उतर पाती।

क्या बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी कटरीना कैफ?

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती हैं कटरीना?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल 'चांदनी बार 2' के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या है 'चांदनी बार' की कहानी

'चांदनी बार' (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कटरीना कैफ का वर्कफ्रंट

कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'फोन भूत', 'टाइगर 3' और 'मेरी क्रिसमस' शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

वीर दास होंगे 'बारह नंबर' के निर्देशक

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

'बारा नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं।
वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।'

कब अच्छी लगती है हॉरर फिल्म?

उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' 'पेद्दी' के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म 'दंगल'

वीर दास ने किया इन फिल्मों में काम

'देली बेली', 'गो गोवा गॉन' जैसी फिल्मों और 'कॉल मी बे' जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर 'जजू प्रोडक्शंस' के जरिए 'बारा नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट की 12 शॉर्ट फिल्में

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।
अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'। आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

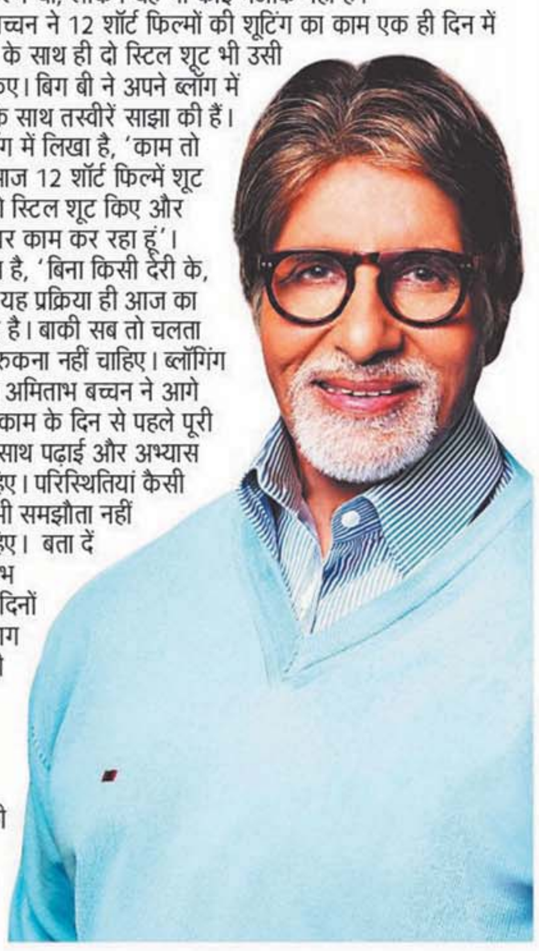

भविष्य में नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी।
सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था।
अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है।
सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं।

थिएटर में नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी।

अहाना ने थिएटर पर की बात

थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहजीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की।
लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक-दो बार आना-जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, यह तुम्हारी जिम्मेदारी है

थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए।

अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है

हमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा। मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं।

संक्षिप्त समाचार

जुलाई में साय के मंत्रियों के लिए चिंतन शिविर का होगा आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार शासन-प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। जुलाई के पहले सप्ताह में राज्य सरकार नवा रायपुर स्थित ढ्ढढ्ढरू में चिंतन शिविर 3.0 का आयोजन करेगी। इस शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ प्रदेश के सभी मंत्री हिस्सा लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस चिंतन शिविर का मुख्य उद्देश्य मंत्रियों की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन, नीति निर्माण, जनसेवा, तकनीक और विकास से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ मंत्रियों को प्रशिक्षण देंगे। साथ ही बदलते समय के अनुरुप शासन व्यवस्था में नवाचार और बेहतर प्रबंधन के तरीकों पर भी चर्चा होगी।शिविर में सरकार की भविष्य की कार्ययोजनाओं, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक सुधारों को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। माना जा रहा है कि सरकार इस मंच के जरिए आने वाले वर्षों के लिए अपनी प्राथमिकताओं और रणनीतियों को अंतिम रुप दे सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले भी नवा रायपुर स्थित आईआईएम में मंत्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। अब चिंतन शिविर 3.0 के जरिए सरकार मंत्रियों को विशेषज्ञों के अनुभवों से जोड़कर प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की दिशा में नया प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री की पहल से बिजली व्यवस्था हुई और मजबूत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से कुनकुरी की बिजली व्यवस्था हुई और मजबूतमुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में विद्युत अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के तहत जशपुर जिले के कुनकुरी क्षेत्र को महत्वपूर्ण सौगात मिली है। 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कुनकुरी में 3.15 एमवीए क्षमता के पुराने पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। साथ ही नगर क्षेत्र के लिए अतिरिक्त 11 केवी फीडर का निर्माण एवं विद्युत प्रवाह प्रारंभ करने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के लिए विभाग द्वारा व्यापक तकनीकी तैयारियां की गईं। कार्यस्थल पर आवश्यक स्थान उपलब्ध कराने हेतु दो डीपी को स्थानांतरित किया गया, अनुपयोगी नियंत्रण कक्ष को हटाया गया तथा पुराने ट्रांसफार्मर प्लिंथ का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य किया गया। सभी तकनीकी प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बाद ट्रांसफार्मर प्रतिस्थापन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार ट्रांसफार्मर क्षमता में वृद्धि से क्षेत्र की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

किसान हितैषी नीतियों ने दिलाई छत्तीसगढ़ को नई पहचान

■ **छत्तीसगढ़ के कृषि विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचा महाराष्ट्र का विधायक दल**

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला एवं संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि निवेश में सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2700 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान की खरीदी की जाती है। धान के सुरक्षित भंडारण के लिए संग्रहण केंद्रों और गोदामों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन से लेकर धान तौल, परिवहन और भुगतान तक की प्रक्रिया को तकनीक आधारित और सरल बनाया गया है। किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है। चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्यों के बीच अनुभवों और सफल मॉडलों का आदान-प्रदान देश के कृषि क्षेत्र को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण से राज्यों को एक-दूसरे के सफल अनुभवों से सीखने और उन्हें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने का अवसर मिलता है।

रायपुर जेल में बंद आरोपी को नीट परीक्षा में बैठने की अनुमति दी

▶▶ लोकमाया न्यूज।

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने अर्जेंट हियरिंग के लिए पेश मामले में सुनवाई करते हुए सेन्ट्रल जेल रायपुर में निरुद्ध छात्र को रविवार को आयोजित नीट परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की है। कोर्ट ने रायपुर एसपी और जेल अधीक्षक को निर्देशित किया है कि, छात्र को उचित हिरासत में एग्जाम सेंटर लेकर जाना सुनिश्चित करें। आवेदक छात्र को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 108 के तहत दंडनीय अपराध के लिए पुलिस स्टेशन खमतराई, जिला रायपुर छत्तीसगढ़ में पंजीकृत अपराध संख्या 430/2026 के संबंध में गिरफ्तार किया गया था।

एडवोकेट अनुकूल विश्वास के माध्यम से हाईकोर्ट में अस्थायी जमानत की मांग करते हुए इंटरिम एप्लीकेशन पेश किया गया आवेदक के वकील ने कहा कि आवेदक को नीट 2026 परीक्षा में उपस्थित होना आवश्यक है, जो 21 जून 2026 को केंद्रीय विद्यालय रायपुर में आयोजित होने वाली है। यह भी कहा कि प्रवेश पत्र की एक प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न की गई है। यह भी निवेदन किया जाता है कि आवेदक को जेल में आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए ताकि वह उक्त परीक्षा के लिए पर्याप्त तैयारी कर सके।

चीफ जस्टिस ने मामले में अर्जेंट सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि, आवेदक छात्र को परीक्षा में उपस्थित होने के उद्देश्य से 21 जून 2026 को पुलिस हिरासत में परीक्षा केंद्र, अर्थात केंद्रीय विद्यालय, रायपुर ले जाया जाए। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक और संबंधित जेल के अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि आवेदक को उचित पुलिस हिरासत में परीक्षा केंद्र ले जाया जाए और उसे निर्धारित तिथि और समय पर उक्त परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाए। ताकि वह इस परीक्षा की तैयारी कर सके। परीक्षा पूरी होने पर आवेदक को तुरंत संबंधित जेल में वापस लाया जाएगा। जहाँ वह वर्तमान में बंद है। कोर्ट ने कहा कि, चूंकि अभी तक आरोप पत्र दाखिल नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले को तीन सप्ताह बाद फिर से सूचीबद्ध किया जाए। आदेश की एक प्रति यहाँ भेजें। रजिस्ट्रार न्यायिक को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश की एक प्रति संबंधित ट्रायल कोर्ट, पुलिस अधीक्षक और साथ ही उस जेल के अधीक्षक को तत्काल भेजें जहां आवेदक वर्तमान में बंद है, ताकि उन्हें सूचना दी जा सके और आवश्यक अनुपालन किया जा सके।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने की सौजन्य मुलाकात

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री संजय अग्रवाल को छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा का अभिन्न अंग है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रदेश में योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को योग से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। मुलाकात के दौरान योग के संवर्धन तथा प्रदेश में योग संबंधी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

भूपेश को हार की बधाई देने आ रहे राहुल गांधी: अजय चंद्राकर

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में बीती रात हुई मंत्रियों की हाई लेवल मीटिंग को लेकर कांग्रेस ने तंज कसते हुए सरकार में विस्फोटक स्थिति की बात कही थी. इस बयान पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पलटवार करते हुए कहा कि विस्फोटक स्थिति तो कांग्रेस में बन चुकी है. कांग्रेस को बताना चाहिए कि क्यों लोग पार्टी छोड़कर जा रहे हैं. कांग्रेस पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुकी है. भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने मीडिया से चर्चा में मंत्रियों की हाईलेवल मीटिंग को लेकर कहा कि भाजपा संगठन और मुख्यमंत्री की ओर से सार्थक पहल हुई है. यह सभी रूटीन बैठक है, नियमित प्रक्रिया के तहत बैठक हो रही है.वहीं 21 जून को राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ आगमन पर अजय चंद्राकर ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या राहुल गांधी के लिए भी गुलाब मंगवा रहे हैं, प्रियंका वाड्रा के लिए तो मंगवाये थे. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस को प्रशिक्षण की जरूरत क्यों पड़ रही है पता नहीं. राहुल गांधी शायद भूपेश बघेल को बधाई देने आ रहे हैं. भूपेश बघेल जहां-जहां जाते है, वहां-वहां पार्टी हार जाती है. कांग्रेस के मौजूदा विशेषज्ञों की स्थिति जनता ने देख ली है. विशेषज्ञ केवल एक ही परिणाम ला रहे हैं, और वो है पराजय. छत्तीसगढ़ में शराब की ओवररेटिंग को लेकर भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस को ओवररेटिंग, या शराब को लेकर बात करने का अधिकार नहीं है. कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में सभी तरह के भ्रष्टाचार में अपने हाथ धो चुकी है. इसके साथ ही कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक पर तंज कसते हुए अजय चंद्राकर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक में भगदड़ मची है. देश में राजनीतिक अराजकता फैल रही है. कांग्रेस को जिम्मेदार विपक्ष की तरह बर्ताव करना चाहिए. भूपेश बघेल कांग्रेस के शुभंकर हैं. कांग्रेस में बचे ही गिनते के लोग हैं।

छत्तीसगढ़ में पांडुलिपियों का सर्वेक्षण पूरा

■ **11808 कागज और ताड़पत्र की मिली पांडुलिपि**

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। पूरे देश में पांडुलिपियों का सर्वेक्षण किया गया है। छत्तीसगढ़ में 15 मार्च से 15 जून तक सर्वे चला। तीन महीनों के दौरान छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में 11 हजार 808 पांडुलिपियां मिली हैं।

इन पांडुलिपियों में ताड़पत्र और कागज की पांडुलिपियां शामिल हैं। सर्वे के दौरान मिली इन पांडुलिपियों में ताड़पत्र वाले पांडुलिपियों की संख्या कागज के पांडुलिपियों की तुलना में ज्यादा है। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सबसे अधिक पांडुलिपि मिली है। 3 हजार 498 पांडुलिपि अकेले महासमुंद जिले से सर्वे के दौरान मिली है।

पांडुलिपियों का सर्वेक्षण पूरा

इन पांडुलिपियों में धर्म, अनुष्ठान, आध्यात्म, कर्मकांड, वैदिक चिकित्सा जैसे विषय अंकित हैं। स्थापत्य कला और इतिहास से संबंधित जानकारी भी इन पांडुलिपियों में है। ताड़पत्र वाले पांडुलिपि में उड़िया लिपि और उड़िया भाषा का प्रयोग किया गया है। कागज की पांडुलिपि में देवनागरी लिपि, ब्रज या अवधी भाषा लिखी है।

11808 कागज और ताड़पत्र की मिली पांडुलिपि

ज्ञान भारतम् मिशन के राज्य नोडल अधिकारी प्रभात सिंह ने बताया कि ज्ञान भारत मिशन, भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। जिसके तहत पूरे भारतवर्ष में पांडुलिपियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। ज्ञान भारतम् भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग से रूभ् हुआ था। उस रूभ् के तहत छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में ज्ञान भारतम् मोबाइल ऐप के माध्यम से पांडुलिपियों के सर्वेक्षण का काम किया गया। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से ताड़पत्र और कागज की 11808 पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कार्य किया गया।

इतिहासकार डॉक्टर रमेंद्रनाथ मिश्र ने बताया कि ज्ञान भारतम् मिशन से भारत का सांस्कृतिक गौरव, पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित होगा। वास्तव में ज्ञान भारतम् मिशन योजना के तहत जिनके पास से कागज और ताड़पत्र की पांडुलिपियां मिली हैं। यह सब चीज संग्रहणकर्ता के पास संग्रहित रहेगी। इसकी जानकारी के लिए पंजीयन शासन की ओर से किया गया है। इन पांडुलिपियों के माध्यम से हमें विज्ञान, संस्कृत, साहित्य, आयुर्वेदिक जानकारी मिलेगी।

राजधानी में तात्कालीन मुख्य अभियंता भागीरथ वर्मा गिरफ्तार

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। ईओडब्ल्यू और एसीबी टीम ने गुरुवार को भागीरथ वर्मा को गिरफ्तार किया. आरोप है कि तात्कालीन मुख्य अभियंता भागीरथ वर्मा ने अपने पद का गलत इस्तेमाल लाभ के लिए किया. आरोप है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में साल 2019 से 2023 में अपने पद का दुरूपयोग किया था. इस दौरान भागीरथ वर्मा ने निविदा कार्य आवंटित किए जाने के एवज में अवैध रिश्वत की मांग कर अवैध सम्पत्ति अर्जित की थी।

8 जगहों पर रेड की कार्रवाई

ईओडब्ल्यू और एसीबी ने छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में 8 जगहों पर रेड की कार्रवाई की है. आरोपी भागीरथ वर्मा 27 जून तक पुलिस रिमांड में रहेंगे।

ईओडब्ल्यू और एसीबी ने धारा 7 एवं 11 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के अंतर्गत कार्रवाई की है। आरोपी भागीरथ वर्मा के छत्तीसगढ़ में रायपुर और बिलासपुर के 6 स्थानों पर रेड कि कार्रवाई करने के साथ ही मध्य प्रदेश के उज्जैन में 2 स्थानों पर रेड की गई. जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, अवैध रकम से अर्जित की गई करोड़ो की सम्पत्ति संबंधी दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य एवं अन्य महत्तवपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

27 जून तक भागीरथी वर्मा की रिमांड मिली

आरोपी सेवानिवृत्त लोकसेवक के आय से सम्पत्ति होने के संबंध में जांच की जा रही है। मामले में आरोपी भागीरथी वर्मा लिप्त पाये पर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नीट परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने नीट परीक्षा के दो दिन पूर्व आज शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि बारिश की स्थिति में किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा न हो। केंद्र में पर्याप्त शेड की व्यवस्था करें ताकि फ्रिस्किंग करने एवं अन्य व्यवस्थाओं में असुविधा न हो। साथ ही फ्रिस्किंग स्थल पर भी शेड एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कलेक्टर डॉ सिंह ने पीएम श्री आत्मानंद आर.डी. तिवारी विद्यालय आमापारा, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 डी.डी.यू नगर तथा एनआईटी स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

डॉ. सिंह ने स्वयं कक्षाओं के भीतर पहुंचकर बैठने की व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों तथा परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सपनों को मिली उड़ान: अब बस्तर भी बनाएगा पायलट

■ **सीएआईटी छत्तीसगढ़ की जीएसटी कार्यशाला में विभागीय जांच, नोटिस, आईटीसी, ऑडिट एवं व्यापारियों के अधिकारों पर जीएसटी विशेषज्ञ जितेन्द्र खनूजा ने किया मार्गदर्शन**

▶▶ लोकमाया न्यूज।

जगदलपुर। कभी जिन आंखों ने सिर्फ पहाड़, जंगल और घाटियां देखीं, अब वही आंखें बादलों के ऊपर उड़ान भरने का सपना भी देखेंगी। बस्तर के लिए यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि इतिहास रचने वाली शुरुआत है। पहली बार बस्तर के युवाओं, खासकर जनजातीय बेटियों के लिए कमर्शियल पायलट बनने का रास्ता खुल गया है। अब आर्थिक तंगी किसी प्रतिभाशाली युवा के सपनों की उड़ान नहीं रोक पाएगी।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय और स्वावलंबी भारत अभियान की पहल पर देश की अग्रणी एयरलाइन इंडिगो ने बस्तर के युवाओं के लिए अपना विशेष कार्यक्रम Giving Wings to Fly शुरू करने पर सहमति दी है। विश्वविद्यालय के प्रयासों से यह अवसर बस्तर तक पहुंचा है, जिसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

इस योजना का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि चयनित अभ्यर्थियों को कमर्शियल पायलट बनने तक का पूरा खर्च इंडिगो खुद वहन करेगा। यानी लाखों रुपये की ट्रेनिंग, पढ़ाई और आवश्यक प्रक्रियाओं का आर्थिक बोझ विद्यार्थियों पर नहीं आएगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह किसी सुनहरे अवसर से कम नहीं है।

इस योजना में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवा आवेदन कर सकेंगे जिन्होंने 12वीं में फिजिक्स, गणित और अंग्रेजी विषयों की पढ़ाई की हो। पासपोर्ट होना जरूरी शर्तों में शामिल है, हालांकि जिनके पास पासपोर्ट नहीं है, वे भी आवेदन कर सकते हैं और आगे की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। अंतिम चयन इंडिगो की प्रवेश परीक्षा और निर्धारित मानकों के आधार पर किया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस अवसर को हर योग्य छात्र तक पहुंचाने के लिए बस्तर के सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं कि अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं से आवेदन कराए जाएं। प्रारंभिक चरण में दो से तीन विद्यार्थियों के चयन की संभावना जताई जा रही है, लेकिन यदि प्रतिभाएं बेहतर प्रदर्शन करती हैं तो आगे और अवसर भी मिल सकते हैं।

यह पहल केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के युवाओं को एविएशन जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र से जोड़ने की दिशा में एक नई शुरुआत है। जिस बस्तर की पहचान वर्षों तक चुनौतियों और पिछड़ेपन से की जाती रही, अब वहीं के युवा देश के आसमान में विमान उड़ाने का सपना साकार कर सकेंगे। अगर यह पहल सफल होती है तो आने वाले वर्षों में पहली बार बस्तर की बेटियां और युवा विमान के कॉकपिट में बैठकर न सिर्फ अपनी मंजिल तय करेंगे, बल्कि पूरे बस्तर के सपनों को भी नई उड़ान देंगे।

बस्तर बदल रहा हैज् और इस बदलाव की सबसे खूबसूरत तस्वीर अब आसमान में दिखाई दे सकती है। क्योंकि पहली बार यहां के युवाओं के लिए कमर्शियल पायलट बनने का रास्ता खुला है। यह सिर्फ करियर का अवसर नहीं, बल्कि उस बस्तर की नई पहचान है, जहां अब सपनों की उड़ान पर किसी आर्थिक मजबूरी का पहरा नहीं होगा।